डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः हेमा मालिनी, कंगना रनोट ने दी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं

वर्ष -08 अंक -03 | प्रयागराज, बुधवार 02 मार्च, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

रूस के हमलों के बीच भारतीय दूतावास ने भारतीयों को दिया कीव छोड़ने का निर्देश, महाशिवरात्रि पर मंदिरों में उमड़े भक्त

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का आज छठा दिन है। रूस और यूक्रेन के बीच हालात लगातार बिगड़ते ही जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच हालात को देखते हुए भारतीय छात्र और नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकाला जा रहा है। वहीं, महाशिवरात्रि के अवसर पर देश भर के शिव मंदिरों में मंगलवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया है। सुबह से भक्तों की कतारें शिव मंदिरों के बाहर देखने को मिल रही है। महाशिवरात्रि केअवसर पर सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने 23,000 से ज्यादा रुद्राक्षका इस्तेमाल कर ओडिशा के पुरी के एक तट पर भगवान शिव की मूर्ती बनाई है। महाशिवरात्री से पहले सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने 23,000 से ज़्यादा रुद्राक्ष का इस्तेमाल कर ओडिशा के पुरी के एक तट पर भगवान शिव की मूर्ती बनाई।

यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए गंगा आपरेशन जारी, सातवीं फ्लाइट पहुंची मुंबई, आठवीं दिल्ली के लिए रवाना

नई दिल्ली । आज यूक्रेन और रूस के युद्ध का छठवां दिन है। यूक्रेन की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। जंग की शुरुआत से अब तक ढेरों जान-माल का नुकसान हो चुका है। इस बीच हजारों भारतीय नागरिक व छात्र यूक्रेन में फंसे हुए थे, जिन्हें भारत सरकार आपरेशन गंगा के तहत वापस देश लाने का अभियान चला रही है। इस आपरेशन की मंगलवार यानि आज सुबह एयर इंडिया की सातवी फ्लाइट 182 भारतीय नागरिकों को लेकर बुखारेस्ट (रोमानिया) से मुंबई पहुंच गई है, जहां मुंबई एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने देश वापस आए नागरिकों का स्वागत किया। आपरेशन गंगा के तहत भारतीय छात्रों को लेकर आठवीं फ्लाइट बुडापेस्ट से दिल्ली के लिए रवाना हो गई है।

मणिपुर विधानसभा चुनावः अमित शाह ने की सीएम की तारीफ, बोले- बीरेन सिंह ने रोके भ्रष्टाचार और हिंसा के गोल

थौबल। मणिपुर में पहले चरण का विधानसभा सोमवार को खत्म हो चुका है। अब दूसरे चरण के चुनाव के लिए सभी दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा नेता भी मणिपुर में लगातार चुनावी जनसभाएं कर माहौल बना रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मंगलवार को राज्य के थौबल जिले में एक जनसभा की। अमित शाह ने इस दौरान मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के कार्यकाल की जमकर तारीफ की। शाह ने कहा कि बीते पांच सालों में बीरेन सिंह ने मणिपुर का विकास सुनिश्चित किया है। उनकी सरकार राज्य में शांति भी लाई। शाह ने कहा कि बीरेन सिंह जी पहले फुटबाल खेला करते थे। इन्हें गोल रोकना भी आता है और गोल करना भी आता है। इन्होंने भ्रष्टाचार और हिंसा के गोल को रोकने का काम किया है और शांति, विकास और समृद्धि के गोल को गोल में दागने का काम भी किया है। शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 15 सालों में कांग्रेस राज्य में एम्स नहीं बना सकी। हमने सरकार बनने पर जल्द

ही एम्स बनाने का एलान किया है। शाह ने आगे कहा कि 2017 से पहले राज्य में एक भी महिला पुलिस थाना नहीं था। आज, हर जिले में महिला थाना है। शाह ने कहा कि मणिपुर में रेलवे लाइन भी नहीं थी, लेकिन हम 12 हजार करोड़ रुपये खर्च कर मणिपुर को रेलवे के नक्शे पर लेकर आए। शाह ने आगे कहा कि यहां पर सिर्फ एक नेशनल हाइवे था। अब यहां कई नेशनल हाइवे बन गए हैं। 16 हजार करोड़ से ज्यादा की लागत से यहां नई सड़कें बनाने का काम भाजपा की सरकार ने किया है।

महाशिवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, कई मंदिरों से होगा लाइव शो

नई दिल्ली । देशभर में महाशिवरात्रि का त्योहार धूम धाम से मनाया जा रहा है। पूरे देश के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। शिवालयों को फूलों और लाइट्स से काफी सुंदर तरीके से सजाया गया है। शिवालयों में सुबह से ही पूजा-पाठ के लिए लोगों की कतार लगी हुई है। जलाभिषेक किए जा रहे हैं। सभी मंदिरों में हर हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। कहीं दूध से जलाभिषेक किया जा रहा है तो भांग और धतूरे का भोग भी लगाया जा रहा है। लोग

जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ (थ्दे एर्प्ने) का ध्यान लगा रहे हैं। इसके साथ ही महादेव के भक्तों को श्रद्धा और भक्ति का भरपूर रस देने के लिए सोशल मीडिया पर देश के प्रमुख मंदिरों और संगठनों द्वारा लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। सोशल मीडिया एप कू पर महाशिवरात्रि के मौके पर सद्गुरु समेत बद्रीनाथ, सोमनाथ मंदिर, ब्रह्माकुमारीज आदि भी महाशिवरात्रि का आयोजन लाइव करेंगे। आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु ने अपने सोशल मीडिया के जरिये एक पोस्ट कर महाशिवरात्रि पर अपने कार्यक्रम की जानकारी दी है। कि महाशिवरात्रि 2022 पर 1 मार्च को शाम छह बजे से सद्गुरु के साथ लाइव वेबस्ट्रीम देखें। कू पर आने वाला यह लाइव कार्यक्रम शाम छह बजे से लेकर सुबह छह बजे तक चलेगा। इसके अलावा सद्गुरु रितेश्वर जी ने भी सोशल मीडिया मंच ख्दद पर घोषणा की कि 1 मार्च को शाम पांच बजे से कू ऐप पर एक्सक्लूसिव लाइव देखा जा सकेगा। उन्होंने लिखा कि शिवरात्रि वह जो भोग की रातों को योग की रातों में बदल तेजी है।

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए सरकार ने झोंकी ताकत यहां जानें- पूरी रणनीति

नई दिल्ली । रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला कर दिया था। दोनों देशों के बीच जारी इस जंग का आज छठा दिन है। इस हमले के बाद यूक्रेन में हजारों भारतीय मागरिक फंस गए हैं, जिनमें कई छात्र भी शामिल हैं। भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से सटे रोमानिया, हंगरी और पोलैंड से भारत लाया जा रहा है। भारतीयों की मदद के लिए इन देशों में विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को तैनात किया गया है। अनुमान के मुताबिक, 20 हजार से अधिक भारतीय यूक्रेन में रहते हैं भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी के लिए मोदी सरकार ने आपरेशन गंगा चलाया है। इस आपरेशन के तहत कई भारतीयों को सकुशल भारत लाया गया है, लेकिन अभी भी हजारों भारतीय यूक्रेन के कई शहरों में फंसे हुए हैं। आपरेशन गंगा के तहत आज सुबह एयर इंडिया की सातवीं फ्लाइट 182 भारतीय नागरिकों को लेकर बुखारेस्ट (रोमानिया) से मुंबई पहुंच गई है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बुडापेस्ट से आठवीं उड़ान बुडापेस्ट से 216 भारतीय नागरिकों के साथ रवाना हो गई है। साथ ही नौवीं आपरेशन गंगा उड़ान 218 भारतीय नागरिकों के साथ बुखारेस्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना हो चुकी है। आपरेशन गंगा के साथ अब भारतीय वायुसेना भी जुड़ेगी। आपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से चल रहे निकासी प्रयासों को बढ़ाने के लिए पीएम मोदी ने वायु सेना को आपरेशन में शामिल होने को कहा है। सूत्रों ने ये जानकारी दी है। वायुसेना की मदद से कम समय में अधिक लोगों को यूक्रेन से भारत लाने की कोशिश की जाएगी। भारतीय वायुसेना द्वारा आज से आपरेशन गंगा के हिस्से के रूप में कई सी -17 विमान तैनात

करने की संभावना है। कीव में भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में छात्रों से कहा गया है कि कीव से कर्फ्यू हटा लिया गया है। ऐसे में छात्र पश्चिमी हिस्सों में आगे की यात्रा के लिए रेलवे स्टेशनों की तरफ जाएं। यूक्रेन रेलवे निकासी के लिए स्पेशल ट्रेनें चला रही हैं। एडवाइजरी में छात्रों से शांत और एकजुट रहने की भी अपील की गई है। एडवाइजरी में कहा गया कि रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ हो सकती है. ऐसे में छात्र संयम बनाए रखें। छात्रों से कहा गया कि वे अपना पासपोर्ट, पर्याप्त कैश, रेडी टू ईट खाना, गर्म कपड़े और जरूरी चीजें साथ में रखें। भारतीयों की मदद के लिए सरकार ने सरकार ने रोमानिया, पोलैंड, स्लोवाकिया और हंगरी में कंट्रोल रूम भी बनाए हैं। जिससे भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से निकाला जा सके।

राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द से मिले पीएम मोदी, यूक्रेन संकट को लेकर दी जानकारी

नई दिल्ली, एएनआइ। रूस द्वारा हमले के बाद यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए मोदी सरकार पूरी कोशिशें कर रही हैं। इसी बीच, पीएम नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की है। सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रपति से मुलाकात कर उन्हें मौजूदा स्थिति और सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों केंद्रीय मंत्री विदेश जाएंगे। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरेन रिजिजू और जनरल वीके सिंह भारतीयों की निकासी के समन्वय के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों की यात्रा करेंगे। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने संघर्षग्रस्त यूक्रेन से फंसे छात्रों और नागरिकों को वापस लाने के लिए 'आपरेशन गंगा' शुरू किया है। 'आपरेशन गंगा'

से अवगत कराया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि कल, पीएम मोदी ने यूक्रेन संकट पर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी। बैठक में पीएम ने कहा था कि पूरी सरकारी मशीनरी यह सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे काम कर रही है कि यूक्रेन में फंसे सभी भारतीय सुरक्षित और सकुशल हैं। बता दें कि यूक्रेन में की स्थिति को लेकर पीएम ने दो बार उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सकुशल वापसी के लिए चार मिशन के तहत एयर इंडिया द्वारा विशेष उड़ानें संचालित की जा रही हैं। मंगलवार सुबह बुचारेस्ट से 182 भारतीय नागरिकों को लेकर फ्लाइट मुंबई पहुंची। इससे पहले सोमवार को विदेश मंत्रालय ने कहा कि एडवाइजरी जारी किए जाने के बाद अब तक 8,000 से अधिक नागरिकों को निकाला गया है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने राष्ट्रपति भवन में 'आरोग्य वनम' का शुभारंभ किया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मौजूद रहे। इसे आम जनता के लिए खोल दिया गया है।

अन्य देशों के मुकाबले भारत का ज्यादा सफल रहा आपरेशन गंगा

नई दिल्ली । युद्धग्रस्त देश यूक्रेन से अपने लोगों को निकालने में अब तक भारत का आपरेशन गंगा सबसे आगे दिख रहा है। ब्रिटेन, जर्मनी और अमेरिका ने अपने-अपने नागरिकों को निकालने में परोक्ष रूप से असमर्थता जता दी है। चीन ने अपने नागरिकों को निकालने का आपरेशन स्थगित कर दिया है। मिस्त्र, नाइजीरिया और मोरक्को जैसे देशों ने अपने छात्रों को निकालने के लिए अब तक कोई आपरेशन शुरू नहीं किया है। यूक्रेन में 80 हजार से अधिक विदेशी छात्र पढ़ रहे हैं, जिनमें भारतीय छात्रों की संख्या सर्वाधिक है। भारत की तरह चीन ने भी 24 फरवरी को अपने नागरिकों को चार्टर फ्लाइट से निकालने के लिए आपरेशन चलाने का एलान किया था। सभी छात्रों को चीनी झंडे लगी गाडियों से कीव छोड़ने की सलाह दी थी। लेकिन दो दिन बाद ही 26 फरवरी को चीन ने नई एडवाइजरी जारी कर नागरिकता की कोई पहचान सार्वजनिक करने से परहेज करने की सलाह दी। रविवार को चीनी राजदूत ने वीडियो संदेश में साफ कर दिया कि हालात उन्हें वापस लाने के अनुकूल नहीं हैं। इसके साथ ही चीनी नागरिकों को स्थानीय लोगों के साथ झगड़ा नहीं करने की सलाह दी गई। कीव व अन्य जगहों पर चीनी नागरिकों पर हमले भी हुए। भारत की तरह अमेरिका ने भी अपने नागरिकों की सहायता के लिए स्थानीय फोन नंबर, पोर्टल और एडवाइजरी जारी की है। लेकिन साथ ही यह भी साफ कर दिया है कि वह उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की स्थिति नहीं है। अमेरिकी नागरिक खुद ही यूक्रेन के बार्डर पर पहुंच रहे हैं, लेकिन दूसरे देशों में घुसने के लिए उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं ब्रिटेन और जर्मनी ने कीव में अपने नागरिकों भगवान भरोसे छोड़ दिया है। ब्रिटेन कीव से अपना दूतावास स्थायी तौर पर बाहर ले जा चुका है, जबकि जर्मनी ने दूतावास बंद कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट का बेंगलुरु दंगे के आरोपितों को जमानत से इन्कार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक सेवानिवृत्त इंजीनियर सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया और पापुलर फ्रंट आफ इंडिया के सदस्यों सहित अन्य की जमानत याचिकाओं पर विचार करने से इन्कार कर दिया। इन पर 2020 के बेंगलुरु दंगे में संलिप्तता का आरोप है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हमें ऐसा समाज नहीं चाहिए। 68 वर्षीय सेवानिवृत्त इंजीनियर मोहम्मद कलीम अहमद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और विक्रम नाथ की पीठ से कहा कि उनके मुवक्किल का नाम मूल प्राथमिकी में नहीं था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) द्वारा जांच की जिम्मेदारी संभालने के बाद उसे आरोपित बनाया गया। लूथरा ने कहा कि वह पहले ही 14 महीने से हिरासत में है और मामले में 154 गवाह थे। पीठ ने कहा कि उसने मामले के विवरण को देखा है। हाई कोर्ट ने एक विस्तृत आदेश पारित किया है। इसमें कहा गया है कि अन्य प्रविधानों के साथ यूएपीए के तहत आरोप थे। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अदालतों को जनहित याचिकाकर्ताओं की वास्तविकता की जांच करते समय सतर्क रहना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वास्तविक दावों के रूप में तुच्छ या निजी हितों को तो नहीं साधा जा रहा। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने सरकार और निजी पक्ष के बीच छह दशक पुराने संपत्ति विवाद से जुड़ी जनहित याचिका पर बांबे हाई कोर्ट के फैसले को रद कर दिया। शीर्ष अदालत बांबे हाई कोर्ट के 2010 के फैसले पर टिप्पणी कर रही थी जिसमें हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री के 17 मार्च, 1998 के एकपक्षीय आदेश को बहाल कर दिया था। राजस्व मंत्री ने आदेश दिया था कि कथित निजी संपत्ति सरकार की है। इस आदेश में उन्होंने मंत्रालय के 1995 के आदेश को पलट दिया था जिसमें कहा गया था कि 1894 की डीड आफ एक्सचेंज के आधार पर पांच एकड़ से अधिक की जमीन पर गोंसाल्विस परिवार का स्वामित्व है। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि जनहित याचिकाओं का भारतीय न्याय तंत्र पर लाभकारी असर रहा है और सामान्य तौर पर नागरिकों की स्थिति सुधरी है। इसके बावजूद हजारों गैरजरूरी याचिकाएं दाखिल हुई हैं जिनसे अदालतों पर बोझ बढ़ा है।

पुतिन के परमाणु हथियारों को अलर्ट पर रखने के बाद अमेरिका उठा सकता था ये कदम

नई दिल्ली । जब रूस ने परमाणु हथियारों को अलर्ट पर करके पूरे विश्व को स्तब्ध कर दिया था, तब अमेरिका के पास प्रतिक्रिया

में एक अहम कदम उठाने का विकल्प था। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन रूस के इस कदम के जवाब में अमेरिकी फौजों को डेफकान-3 पर रख सकते थे। डेफकान-3 का मतलब होता है कि जब वायुसेना अपने विमान और परमाणु हथियार तैयार करने लगती है और पनडुब्बियों को अलर्ट पर कर दिया जाता है। अच्छी बात है कि फिलहाल बाइडन ने मामले को संयमित रखा और सैन्य गतिविधियां नहीं बढ़ाई। रविवार को संयुक्त राष्ट्र को अमेरिकी राजदूत ने याद दिलाया कि रूस ने बिना किसी उकसावे के हमला किया और फिर परमाणु अलर्ट की बात कहकर पुतिन युद्ध की आग को भड़का रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन के कुछ अधिकारियों की मानें तो यूक्रेन संकट बड़ी आसानी से दो वैश्विक ताकतों के बीच युद्ध में बदल सकता था। हालांकि उन्होंने अब भी ऐसा होने की आशंका जताई है। पुतिन का हालिया रुख उनके पूर्व के रुख से अलग दिख रहा है। अमेरिका की नेशनल इंटेलीजेंस के पूर्व निदेशक जेम्स आर. क्लैपर ने कहा है कि पुतिन इस समय एक अलग तरह की मानसिक स्थिति में दिख रहे हैं। मुझे उनकी निणन्य क्षमता और संतुलन पर शक है। उधर, भारत ने यूक्रेन को मानवीय आधार पर मदद भेजने का एलान किया है। विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि भारत अभी मुख्य तौर पर दवाइयों की आपूर्ति करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को सुबह हुई उच्चस्तरीय बैठक में यह फैसला लिया गया।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क्रमांक	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	10वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्यूटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा एंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर सिक्योरिटी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	[illegible]	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्नीशियन	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डीशनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेंट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	फैशन टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्र- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते हैं, जो केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य हैं। **2.चयन की प्रक्रिया**- इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमा**- उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करें**- आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते हैं तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। 5.आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रुपये 2000/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थिति**- छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल हैं- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिति की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रों को प्रधानाचार्य की अनुमति के साथ, अपने सम्बन्धित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्ति**- दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते हैं। 8. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइट- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथि-15 सितम्बर 2021**

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

कर्दमेश्वर महादेव मंदिर में उमड़ा जनसैलाब जल अभिषेक पूजन हुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी (बनारस) । शिव भगवान को भक्तों ने श्रद्धा के साथ पूजन चढ़ा जल अभिषेक पंचकोशी परिक्रमा के प्रथम पड़ाव कर्दमेश्वर महादेव मंदिर में शिव भक्तों की लाइन कतार बद्ध होकर जलाभिषेक व दुग्ध अभिषेक के लिए लगी रही। मंदिर के पुजारी वेद प्रकाश गिरी ने बताया कि सोमवार रात तकरीबन 9:00 बजे से एक दिनी पंचकोश परिक्रमा के भक्तों की भीड तकरीबन रात को 2:00 बजे तक चलती रही मंगलवार सुबह मंगला आरती के बाद 4 बजे बाबा का कपाट भक्तों को दर्शन व जलाभिषेक के लिए खुला।शुबह 9 बजे तक हजारों भक्तों ने जलाभिषेक व दर्शन किया ।भक्तों की लाइन मंदिर से तकरीबन 1 किलोमीटर दूर तक लगी रही ।बाबा के दर्शन हेतु महिला व पुरूष भक्त कतार बद्ध होकर मंदिर में प्रवेश कर जलाभिषेक किया व आशीर्वाद लिया। सुरक्षा की चाक चौबन्द व्यवस्था सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में मंडुवाडीह थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने महिला व पुरुष पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई व स्वयं चक्रमण करते रहे।

मंत्री के भाई के काफिले पर हमला मामले में सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बलिया। मंत्री उपेंद्र तिवारी के बड़े भाई दिनेश तिवारी के काफिले पर हमले के मामले में सात लोगों के खिलाफ नामजद व 15 अज्ञात के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया है। फेफना थाना क्षेत्र के नगीनानगर में रविवार की शाम दिनेश तिवारी अपने छोटे भाई भाजपा प्रत्याशी उपेंद्र तिवारी के पक्ष में समर्थकों संग जनसंपर्क कर रहे थे। इसी दौरान कुछ युवक गाली-गलौज करने लगे। इसको लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। कुछ देर बाद दर्जनों की संख्या में आए लोगों ने हमला बोल दिया। कोई कुछ समझता तब तक वाहन पर ईंट-पत्थर चलने लगे। वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। खबर फैलते ही सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पहुंच गए। दोनों पक्षों में तनातनी की स्थिति बन गई। इसकी खबर लगते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर भारी पुलिस बल पहुंच गया। पुलिस ने स्थिति को काबू में किया। थानाध्यक्ष सुनील चंद तिवारी ने कहा कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

अनियंत्रित ट्रक बाउंड्री तोड़कर अस्पताल में घुसा

बेरुआरबारी (बलिया) । सुखपुरा थाना क्षेत्र के बेरुआरबारी-सुखपुरा मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत मिड्ढा में रविवार की रात आठ बजे एक ट्रक अनियंत्रित होकर डा.अरविद चौहान के घर की बाउंड्री को तोड़ते हुए उनके दंत अस्पताल में जा घुसा। इससे अस्पताल में रखे लाखों रुपए के उपकरण ध्वस्त हो गए। संयोग वश रात होने के कारण क्लीनिक में कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि लोहे के खंभे व बाउंड्री को तोड़ते हुए गाड़ी अंदर चली गई और सब कुछ तहस-नहस हो गया। इसकी सूचना ग्रामीणों ने तत्काल बिजली विभाग व पुलिस को दी। घटना के बाद ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में ले लिया है।

बागी बलिया' की नब्ज पकड़ दिलों में उतर गए प्रधानमंत्री

बलिया । बागी बलिया के तेवर के मुरीद गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो थे ही, सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दिखे। हैबतपुर में विशाल जनसभा के दौरान वह इसी नब्ज को पकड़ कर जनता के दिलों में उतर गए। करीब 39 मिनट के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि बलिया ने ही उज्ज्वला योजना को सही दिशा दिखाई है। यहीं से योजना शुरू हुई थी। अब तक देश के नौ करोड़ परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन मिला है। उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण और पूर्व प्रधानमंत्री जननायक चंद्रशेखर को भी सिर झुकाकर नमन किया। जिले में सपा सरकार में बढ़े अपराध को भी याद दिलाया। नासूर बन चुके बिजली के जख्म भी हरे किए। बताया कि इसका इलाज भाजपा सरकार ने किया है। यह भी बताया कि व्यवस्था अब कैसे बदल रही है। क्रांतिकारी चित्तू पांडेय से लेकर साहित्यकार हजारी प्रसाद द्विवेदी तक की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।पीएम मोदी ने दोपहर 3.07 बजे सभा की शुरूआत बलिया की भोजपुरी भाषा से की। कहा- अंग्रेजन के खिलाफ पहिला स्वतंत्रता आंदोलन की धरती बागी बलिया के बड़भागी भाई-बहिनन-बुजुर्गन के गोड़ लागत बानी। बलिया की मिट्टी में देशभक्ति की खुशबू है..। यह धरती जननायक चंद्रशेखर की है। उन्हें गर्व था कि वे चित्तू पांडेय की भूमि से जुड़े हैं। बलिया का गहरा संबंध लोकनायक जयप्रकाश नारायण और साहित्यकार हजारी प्रसाद द्विवेदी से भी रहा है। मैं इन सभी विभूतियों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। कहा कि बलिया के लोगों ने बिजली के अभाव में कितना खामियाजा भुगता है, इस दर्द को मैं समझता हूं। योगी जी की सरकार में आज बलिया का व्यापारी सुरक्षित हो रहा है। यहां की बहनों-बेटियों को घर से निकलने में गुंडे बदमाशों का डर नहीं है। पीएम मोदी ने यहां के किसानों का भी जिक्र किया। कहा कि उनके लिए किसान सम्मान योजना चलाई है। अब यहां के लोगों को किसी के दफ्तर नहीं जाना पड़ता। किसी नेता की सिफारिश नहीं करनी पड़ती है। उन्हें चिट्ठी भी नहीं लिखनी पड़ती है। अकेले बलिया में पांच लाख किसानों के खाते में 700 करोड़ से ज्यादा जमा हो गए हैं। महर्षि भृगु का भी स्मरण किया। कहा कि भगवान उन्हें ताकत देते हैं, उन्हीं के ताकत से इस विधानसभा चुनाव में वह घोर परिवारवादियों को एक बार फिर पटखनी देंगे। पीएम मोदी ने कहा कि मैं बलिया पहले भी आया हूं। आप मेरा एक काम करिएगा। मतदान के दिन तक आपको हर परिवार में जाना है। हर परिवार में जाकर मेरा एक काम करेंगे..। उनको जाकर इतना कहिए कि मोदी जी बलिया आए थे। उन्होंने आपको प्रणाम भेजा है। मुझे भरोसा है कि आप घर-घर जाकर मेरा प्रणाम जरूर पहुंचाएंगे। याद रखिएगा, पहले मतदान फिर जलपान। पीएम ने कहा कि बलिया और पूर्वांचल के विकास के लिए काम हो रहा है। सड़क, अस्पताल व बिजली पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। घोर परिवारवादियों ने यहां की कानून व्यवस्था को चौपट कर दिया था। बलिया के व्यापारी भूल नहीं सकते कि कैसे उनका पैसा गुंडे व बदमाश छीनकर ले जाते थे। वह दिन याद है सबको, लेकिन आज योगी सरकार में बलिया का व्यापारी सुरक्षित हो रहा है। बहन-बेटियों को घर से निकलने में कोई डर नहीं है। बलिया को अच्छी सड़कें चाहिए। यह बात घोर परिवारवादियों को समझ नहीं आई। हमारी सरकार ने पांच साल में जिले में कई नई सड़कें बनाई है। सड़कों को चौड़ा करने का काम तेजी से चल रहा है। पिछली सरकार में यहां बिजली आपूर्ति में पक्षपात होता था। यह दर्द मैं समझता हूं। पहले के मुकाबले जिले में अब ज्यादा बिजली आ रही है। बलिया से मेरा एक भावुक रिश्ता है।

लालगंज में मकान के उपर से गुजरा हाई टेंशन तार, खतरा

दोकटी (बलिया) । बिजली विभाग की लापरवाही से आए दिन लोग बड़े हादसे के शिकार हो रहे हैं। जबकि विभाग सुरक्षा के ष्टिगत कोई पहल नहीं कर रहा है। अभी लालगंज स्थित दूरभाष केंद्र पर नजर दौड़ाएं तो, यह केंद्र जिस मकान में है उसके ऊपर से ग्यारह हजार का तार गुजरा हुआ है। इसके चलते दो वर्ष पूर्व पूरे घर में विद्युत प्रवाहित हो गया था। संयोग अच्छा था कि लोगों की जान बच गई। इसके अलावा कृष्ण कुमार पाठक सहित लालगंज के लगभग एक दर्जन परिवारों के घरों के ऊपर से 11000 वोल्ट का तार गुजरा हुआ है जो बिल्कुल जर्जर हो चुका है। लोगों ने अनेक बार विभाग को आवेदन देकर तार को छतों के ऊपर से हटाकर रोड के किनारे से लाने का आग्रह किया लेकिन इस दिशा में विभाग निष्क्रिय बना है। अगर किसी ने बिजली का कनेक्शन ले लिया तो विभाग की जिम्मेदारी है सुरक्षित उसके घर तक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जबकि जहां मर्जी वहां से तार खींचकर लोगों के घरों के ऊपर से या फिर पेड़ों में बांध कर बिजली सप्लाई की जा रही है। लालगंज गांव इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। स्थिति यह है कि ट्रांसफार्मर से खींचे गए तार मुख्य रास्ते पर लटक रहे हैं। बिजली विभाग की इस लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

सज गया शहर निकली शिव बरात.....

बलिया । भगवान शिव व पार्वती के परिणय-सूत्र में बंधने के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले महाशिवरात्रि पर्व को लेकर जिले के छोटे-बड़े सभी शिवालयों में तैयारी पूरी कर ली गई है। मंगलवार को शिव बरात निकलेगी। इसके लिए शहर में सुंदर सजावट की गई है। पर्व को लेकर मंदिरों में साफ-सफाई के साथ ही उन्हें सजाने आदि का काम कई दिन पहले शुरू हो गया था। सोमवार को तैयारी को अंतिम रूप दिया गया। बाबा बालेश्वर नाथ की बरात धूमधाम से निकलेगी। नगर के कई मंदिरों से शोभा यात्रा निकाली जाएगी तो बालेश्वर मंदिर से भव्य बरात भी निकलेगी। इसमें हाथी, घोड़ा, ऊंट व गाजे-बाजे आदि के साथ ही पूरे नगर क्षेत्र में आकर्षक झांकी व लाग भी निकाली जाएगी। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर जिले भर में उल्लास व उत्साह का माहौल है। भगवान शिव के भक्त इसकी तैयारी में पूरे जोश व उल्लास से लगे हैं। प्रमुख मंदिरों पर तो और भी चहल-पहल बनी हुई है। इसमें शिवालयों को सजाने के साथ ही उन्हें आकर्षक रूप देने में बाबा के भक्त काफी दिनों से जुटे थे। नगर के बालेश्वर मंदिर, मिड्ढी शिव मंदिर के साथ ही कामेश्वर धाम कारो, छितौनी में छितेश्वर नाथ, असेगा में शोक हरण नाथ, देवकली में विमलेश्वर नाथ आदि मंदिरों पर तैयारी की गई है। इन मंदिरों पर विविध आयोजन भी किए जाएंगे। महाशिवरात्रि पर्व पर भक्त गंगा जल से बाबा का जलाभिषेक करते हैं। इस दिन शिव मंदिरों में शंकर भगवान के जलाभिषेक के लिए काफी भीड़ उमड़ती है। इसके लिए सुरक्षा के इंतजाम भी किए गए हैं। मंदिरों के आसपास महिला व पुरुष पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। मंदिरों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिग की गई है। शिव-पार्वती विवाह झांकी की तैयारी पूर रसड़ा : महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मंगलवार को शिव-पार्वती विवाह कार्यक्रम की भव्य झांकी रसड़ा नगर में निकाली जाएगी। इस दौरान बरातियों को कोई असुविधा न हो इसके लिए श्रीनाथ मठ सहित जगह-जगह विशेष प्रबंध किए गए हैं। संयोजक मंडल के कमला प्रसाद, वीरेंद्र सिंह ने बताया कि शिव बारात गाजे-बाजे, हाथी-घोड़े के साथ श्रीनाथ मठ से प्रारंभ होकर मुंसफी तिराहा होते हुए छितौनी स्थित श्री अमली बाबा मंदिर पहुंचेगी जहां शिव-पार्वती विवाह संपनन होगा। तत्पश्चात तहसील परिसर स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर, भगत सिंह तिराहा होते हुए महावीर अखाड़ा स्थित मंदिर पर पहुंचकर संपनन होगी। लखनेश्वर डीह से भृगु मंदिर जाएगी 54 फीट की शिव कांवर रसड़ा : रसड़ा नगर के गुदरी बाजार के शिव भक्तों द्वारा महाशिवरात्रि पर 54 फीट की शिव कांवर को लेकर लखनेश्वर डीह से भृगुमंदिर तक पद यात्रा निकाली जाएगी। कांवर यात्रा के संयोजक संजय गुप्ता, राहुल बरनवाल, मूड़न सोनी, डब्लू, भरत, जितेंद्र ने बताया कि मंगलवार की सुबह छह बजे यह शिव कांवर ऐतिहासिक लखनेश्वर डीह किला के पास तमसा नदी से जल भरकर पैदल ही रसड़ा के विभिनन शिव मंदिरों पर पूजन-अर्चन करते हुए बलिया के भृगु मंदिर पहुंचकर पूजन-अर्चन करेगी।

भक्तों पर आज बरसेगी औघड़दानी की कृपा

आजमगढ़ । मंगलवार को पड़ रहे महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। बउरहवा बाबा मंदिर, दुर्वाषा धाम, दत्तात्रेय, भंवरनाथ इत्यादि मंदिरों में रंग-रोगन, सफाई का काम पूरा किया जा चुका है। दरअसल, ऐतिहासिकता वाले इन मंदिरों में भोलेनाथ की पूजा के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। पुलिस ने भी भक्तों की सुरक्षा के लिए पुख्ता रोडमैप तैयार किया है। उधर एक दिन पहले ही बाजारों में भांग, धतुरा, बेलपत्र, बैर और शिव का चढ़ाए जाने वाली सामग्री की दुकानें सड़क किनारे लग गई थीं। मार्टिनगंज तहसील क्षेत्र के प्राचीन शिव मंदिर चितारा महमूदपुर, वधवा महादेव, भादो कुटिया, कारेदेव धाम, सुरहन प्राचीन शिव मंदिर, अठरही धाम इत्यादि पर पुजारी एवं व्यवस्थापक महाशिवरात्रि पर्व की तैयारियों में जी-जान से जुट गए हैं। रंग रोगन का काम इन मंदिरों में करीब-करीब पूरा हो चुका है। चितारा महमूदपुर प्राचीन शिव मंदिर एवं वधवा महादेव शिव मंदिर को भव्य रूप से सजाया जा रहा है। कमोबेश यही स्थिति शहर में भवरनाथ मंदिर, बउरहवा बाबा, फूलपुर के दुर्वाषाधाम इत्यादि मंदिरों में है। महाशिवरात्रि के दिन तड़के चार बजे से ही इन मंदिरों पर लगने वाला भक्तों का रेला दोपहर बाद तक कम नहीं पड़ पाता है। जनपद ही नहीं पास-पड़ोस के जिलों से भी श्रद्धालु दर्शन-पूजन को पहुंचते रहते हैं। कई मंदिरों पर बाकायदा मेले का आयोजन होता है। दर्शन-पूजन व जलाभिषेक के बाद के बाद भक्त मेले का आनंद उठाते हैं। अष्टभुजी माता मंदिर महुजा नेवादा के पुजारी आचार्य गिरजा शंकर तिवारी का कहना है कि प्राचीन मंदिरों में लोग मनन्तें मांगते है, जिसे भोलेनान पूरा भी करते हैं। उधर मेंहनगर में श्री मंडलेश्वर महादेव परिसर स्थित पोखरे की सफाई का अभियान चलाया गया।

कार्यकर्ताओं में उत्साह, उम्मीदवारों में भर गई ऊर्जा

अमिलो (आजमगढ़) । अनुसूचित जाति के मतदाताओं के भरोसे में चुनाव में उतरे प्रत्याशियों की लड़ाई बसपा प्रमुख मजबूत कर गईं। मंडलीय रैली में एक लाख से ज्यादा की भीड़ से इतर महिलाओं, पुरुषों, बच्चों में उत्साह ने प्रत्याशियों की उम्मीद की मजबूत नींव भरी। बसपा प्रमुख से दूर अलग सजे मंच पर बैठे प्रत्याशियों के लिए यह कार्यक्रम संजीवनी से कम प्रतीत नहीं हुआ। बसपा के लोगों ने कार्यक्रम शहर से दूर रखा था, लेकिन मायावती का उड़नखटोला उतरने तक भीड़ इतनी हो गई कि ट्रैफिक संभालना मुश्किल हो गया। मायावती की निगाहें मंच तक पहुंचीं तो दूर तक भीड़ के सैलाब ने उन्हें उत्साहित कर दिया। हालांकि की थी, लेकिन भीड़ उम्मीद से कम प्रतीत नहीं हो रही थी। ऐसे में उत्साहित मायावती ने चुनावी सभा में मुसलमानों के साथ ब्राह्मणों को भी साधने का पूरा प्रयास किया। भाजपा सरकार के बुलडोजर के बारे में कहा कि प्रदेश में मुस्लिम के अलावा भी माफिया हैं, लेकिन उनके ऊपर बुलडोजर नहीं चलाया गया। यही कारण है कि नाराज मुसलमान भाजपा से नफरत करते हैं। भाजपा सरकार में दलित और मुसलमानों के साथ पक्षपात किया जा रहा है। सवर्णों में भी वही स्थिति है और आज ब्राह्मण अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रहा है।आज बीएसपी को हराने के लिए बीजेपी को वोट देने का प्रचार किया जा रहा है। ऐसे में मुसलमानों को सपा से सवाल करना चाहिए, क्योंकि सपा कहती कुछ और अंदर से कुछ और है। जिलाध्यक्ष अरविद कुमार, प्रत्याशियों में डा. पीयूष सिंह यादव, सुशील सिंह, भूपेंद्र सिंह मुनन, अब्दुस्सलाम आदि मौजूद रहे। आजमगढ़ : मायावती ने कहा कि बसपा के बारे में कहा जा रहा है कि भाजपा की बी टीम है, लेकिन भाजपा की बी टीम सपा है। सपा की ओर से अफवाह फैलाई जा रही है कि जहां बसपा मजबूत है वहां बसपा को हराने के लिए भाजपा या दूसरे को मतदान कर दें। आप लोग समझ लीजिए कि सपा को वोट करने का मतलब अपना वोट भाजपा को फारवर्ड करना होगा।

समेंदा में आयोजित रैली तीन जिलों

प्रदेश में सुशासन के लिए बसपा को दें वोट

सिकंदरपुर (बलिया) ।घर से कामकाज निपटाने के बाद सुबह सात बजे सिकंदरपुर विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी संजीव कुमार वर्मा चुनाव-प्रचार के लिए निकलते हैं। वे सीधे भीमहर पहुंच कर घर-घर जनसंपर्क और लोगों से बसपा को वोट देने की अपील करते हैं। वापसी में बंशी बाजार आकर चट्टी पर चाय पीते हुए गड्डू सिंह, आलोक त्रिपाठी, रणजीत भारती के साथ चर्चा कर उनको साथ ले बरहुंचा पहुंचते और स्वजातीय बंधुओं की बैठक में भाग लेकर बघुड़ी में सभा करते हैं। वहां उन्होंने बसपा शासन काल के सुशासन की याद दिलाई और वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि बसपा के शासन काल में हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं थम गई थीं। आम जनता को काफी राहत थी। जरूरत है प्रदेश में बसपा सरकार बनाने की। इसके बाद हुहां स्थित बलखंडी नाथ मंदिर पर पहुंचे और दर्शन-पूजन किए। इसके बाद चेतनकिशोर, सिसोटार, बनकटा, खरीद, बहेरी, खेजुरी में जनसंपर्क करते हुए देरशाम आवास पर लौट गए।

प्रियंका गांधी ने रोड शो कर मांगा समर्थन, कांग्रेस में जोश

बलिया । विधानसभा चुनाव के छठे चरण के दौरान सभी दल पूरी ताकत झोंक चुके हैं। इसमें कांग्रेस भी पीछे नहीं है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी सोमवार को बांसडीह विधानसभा क्षेत्र के जूनियर हाईस्कूल के मैदान में हेलीकाप्टर से पहुंचीं। कांग्रेस नेताओं ने उनका स्वागत किया। वे वहां से बंद गाड़ी में सप्तऋषि द्वार होते हुए आंबेडकर तिराहे पर पहुंचीं और पार्टी प्रत्याशी पुनीत पाठक के लिए रोड-शो शुरू किया। उनको देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंचे थे। बांसडीह विधानसभा सीट कभी कांग्रेस का गढ़ मानी जाती थी। यहां से पूर्व मंत्री बच्चा पाठक 1967 से 1996 तक सात बार विधायक रहे। कांग्रेस की सरकार में वह मंत्री भी बने। स्व. पाठक के पौत्र पुनीत पाठक पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। प्रियंका गांधी के साथ बैरिया की प्रत्याशी सोनम बिद भी रोड शो में शामिल रहीं। रोड शो के दौरान छतों से महिलाएं और युवा पुष्प-वर्षा कर रहे थे। कांग्रेस महासचिव सबका अभिवादन स्वीकार कर रही थीं। वे भीड़ को कांग्रेस का घोषणा-पत्र, 'लड़की हूं लड़ सकतीं हूं' लिखा रबड़ का ब्रेसलेट व पाकेट साइज कांग्रेस का कैलेंडर भी दे रही थीं। जूनियर हाईस्कूल बांसडीह में रोड शो के समापन के वक्त दो मिनट की बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जब देश की सरकारी संपत्तियों को ही बेच डाला तो वह युवाओं को रोजगार कहां से देगी! कांग्रेस की सरकार बनी तो किसानों का कर्ज माफ होगा, बिजली बिल हाफ होगा। 20 लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। धान व गेहूं की कीमत 2500 रुपये प्रति क्विंटल किसानों को दी जाएगा कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा ने फेफना विधानसभा क्षेत्र के रतसड़ में भी रोड शो कर पार्टी प्रत्याशी जैनेंद्र पांडेय के पक्ष में वोट मांगे। उनका हेलीकाप्टर रतसर इंटर कालेज के मैदान में उतरा। यहां से भारी सुरक्षा के बीच फूल-मालाओं से लादकर पार्टी कार्यकर्ताओं ने रोड शो निकाला। प्रियंका को देखने के लिए घरों की छतों पर महिलाओं संग बच्चे खड़े नजर आए। जगह-जगह महिलाओं ने छतों से पुष्प-वर्षा कर प्रियंका का स्वागत किया। अपने स्वागत से खुश प्रियंका हाथ जोड़ आशीर्वाद मांगती दिखीं। रोड शो दक्षिणी चट्टी से पकड़ी तड़ होते हुए गांधी आश्रम चौराहे पहुंचा। यहां लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की खुशहाली, नारी सम्मान व भयमुक्त शासन के लिए कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें। तभी प्रदेश तरक्की की राह पर चलेगा।

क्रिकेट मुकाबले में नीमा टीम 'बी' ने 'ए' को हराया

आजमगढ़। सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम में नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) की तरफ से आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के दोनों मैच में टीम बी ने ए के हरा दिया। उद्घाटन मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उसके बाद टास कराकर खेल की शुरुआत भी कराई। नीमा टीम ए के कप्तान डा. संतोष कुमार सिंह ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। पूरी टीम नौ विकेट खोकर 81 रन बनाई, लेकिन नीमा टीम बी ने दो विकेट खोकर लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। दूसरे मैच में टीम ए ने टास जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। नीमा टीम बी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में दो विकेट खोकर 171 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी नीमा टीम ए निर्धारित 10 ओवर में 102 रन पर ही सिमट गई। टीम बी ने 69 रन से मैच को जीत लिया। मैन आफ द सीरीज का पुरस्कार डा. शाहनवाज आ ामी को दिया गया। नीमा अध्यक्ष डा. डीडी सिंह, डा. अनुप्रिया गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष डा. वीएस सिंह, सचिव डा. अबु शहमा खान, डा. वीके सिंह, डा. मो. ताहिर, डा. अजय सिंह तथा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक शिव गोविद सिंह आदि मौजूद थे।

व्यापारी के शोक में बंद रहा माहुल बाजार

माहुल (आजमगढ़)। माहुल कस्बा निवासी व्यापारी सुरेंद्र मोदनवाल के शोक में रविवार को भी माहुल बाजार बंद रहा।सुबह से व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। धर्मशाला के सामने शोकसभा कर श्रद्धांजलि देने के साथ जहरीली शराब से मरने वालों के परिवार को 25-25 लाख रुपये मुवावजा देने की मांग उठाई। हालांकि, प्रशासन ने शराब से मौत की पुष्टि नहीं की है, लेकिन परिवार के लोग शराब से खरीदकर पीने वाले कई लोगों की मौत हो चुकी है।परिवार के लोगों के अनुसार शराब के सेवन से सुरेंद्र मोदनवाल बीमार हुए और इलाज के दौरान शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। व्यापारियों ने प्रशासन से मांग की कि शराब से जिनकी भी जान गई है उनके परिवार को प्रशासन जल्द से जल्द मुवावजा दे।इस मौके पर सुजीत जायसवाल आंसू, श्रवण कुमार मोदनवाल, संजय मोदनवाल, संतोष, सचिन, राजू, पंकज मोदनवाल, प्रीतम, विकास, अखिलेश सोनकर आदि रहे।

प्याज की खेती से सशक्त होंगे अन्नदाता

सोनभद्र। सोनवैली किसान उत्पादक कंपनी व फार्ई फाउंडेशन जिले में प्याज की खेती को बढ़ावा देगा। राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान देवरिया केंद्र के वैज्ञानिक किसानों की मदद करेंगे। सोमवार को वैज्ञानिकों की टीम ने सिद्धी कला, सजौर, अकक्षोर व मानपुर गांव में किसानों को प्याज की खेती की नई तकनीकी के बारे में बताया ताकि प्याज की खेती कर आमदनी बढ़ाई जा सके। किसानों में बीज का निःशुल्क वितरण भी किया। प्रतिष्ठान की टीम ने 20 किसानों में निश्शुल्क बीज का वितरण भी किया। खरीफ में प्याज की खेती के लिए नई तकनीकी के अनुसार फरवरी में ही नर्सरी डाला जाता है। 80 से 90 दिन में इस नर्सरी में छोटे- छोटे बबल्स मतलब प्याज का छोटा-छोटा गोटका तैयार हो जाता है। इस गोटका को खोदकर बंडल बनाकर बांधकर रख दिया जाता है और फिर जुलाई के अंतिम सप्ताह में मेड बनाकर प्याज की रोपाई मेड़ पर की जाती है। रोपाई के 90 दिन बाद प्याज की फसल तैयार हो जाती है। देवरिया केंद्र के वैज्ञानिक डा. एमएम द्विवेदी व डा. अनिल शर्मा ने बताया कि अभी तक खरीफ प्याज की खेती महाराष्ट्र, राजस्थान व मध्यप्रदेश में ज्यादा होती है। उत्तर प्रदेश में खरीफ की प्याज का विस्तार किया जा रहा है। सोनवैली एफपीओ के निदेशक सत्यप्रकाश पांडेय व नागेन्द्र त्रिपाठी ने वैज्ञानिकों को इस पहल के लिए धन्यवाद दिया। प्याज की तकनीकी खेती के प्रदर्शन के लिए करीब 20 किसानों के खेत में नर्सरी डलवाकर वैज्ञानिकों ने उन्हें तकनीकी जानकारी दी। इस मौके पर बाबूलाल मौर्य, रवींद्र त्रिपाठी, नागेंद्र त्रिपाठी, संदीप मौर्या, अनिल मौर्या, विनोद कुमार पांडेय मौजूद रहे।

यूक्रेन के बंकर में खाने पीने का होने लगा संकट

ओबरा (सोनभद्र)। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में फंसे ओबरा के मेडिकल छात्र अक्षत गुप्ता से सोमवार को आनलाइन वार्ता हुई तब जाकर उसके माता पिता को राहत मिली। खारकीव नेशनल यूनिवर्सिटी के हास्टल में बने बंकर में 170 भारतीय छात्रों के साथ फंसे

मेडिकल छात्र अक्षत से वार्ता में यह बात सामने आई कि अब वहां खाने पीने का संकट पैदा होने लगा है। दरअसल, शनिवार के बाद रविवार को अक्षत से वार्ता न होने के कारण अभिभावकों की हालत खराब थी। रविवार को ही रूसी सेना खारकीव में घुस गई थी। इसके कारण अभिभावकों की चिंता काफी बढ़ गई थी। अक्षत ने बताया कि रविवार को हास्टल में उनके सीनियर्स पहुंचे। उन लोगों ने बताया कि खाने पीने के सामान कम हो गए हैं, लिहाजा अब केवल जीने के लिए ही खाना मिल पाएगा। फिलहाल हालत काबू से बाहर हो रहा है। उन लोगों ने बताया कि किसी भी हालत में बंकर से बाहर नहीं निकलना है। अक्षत ने बताया कि नित्यक्रिया में भी काफी दिक्कत पेश आ रही है। दवा व्यवसायी अनिल गुप्ता ने बताया कि खारकीव शहर रूस की सीमा से बिल्कुल सटा इलाका है, इसलिए ज्यादा चिंता हो रही है। अभी तक फंसे छात्रों को निकालने के लिए कोई भी प्रयास नहीं दिखाई पड़ रहा है। दिन -रात माता-पिता टीवी से चिपके रह रहे हैं कि कोई अच्छी खबर आ जाए। अनिल गुप्ता ने बताया कि करीब एक पखवारे पहले से ही युद्ध के संकेत मिलने लगे थे लेकिन कालेज प्रशासन द्वारा आनलाइन क्लासेस नहीं चलाने की बात कही गई थी। इसके कारण छात्र अपने घर वापस नहीं आ पाए। करीब एक माह के नुकसान को देखते हुए ज्यादातर छात्र हास्टल में ही बने रहे। अगर कालेज प्रशासन युद्ध को लेकर गंभीरता बरतता तो आज भारतीय छात्र अपने घरों में होते।

संविदा वाहनों को हटाने के विरोध में अभियंताओं का मार्च

अनपरा (सोनभद्र)। खंड स्तर पर अनुरक्षण कार्य में लगे अनुबंधित वाहनों को हटाने के निर्देश के विरोध में अभियंता संघ और अधिकारी एसोसिएशन ने सोमवार को पैदल मार्च निकाला। आक्रोशित अभियंताओं ने फरमान तत्काल वापस लेने की मांग की। कहा कि वाहनों को हटाने से परियोजना का अनुरक्षण व संचालन कार्य काफी प्रभावित होगा। परियोजना के उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। अनुबंधित वाहनों से आफिस ड्यूटी समेत सभी अनुरक्षण कार्यों को संपादित किया जाता है। इकाई में इमरजेंसी पड़ने पर संभावित उत्पादन ह्रास को भी रोकने का कार्य किया जाता है। इससे निगम को भारी आर्थिक नुकसान होने से बचाया जाता है। ऐसे में जब सैकड़ों वाहनों को अनुबंध से हटा दिया जाएगा तब न सिर्फ अनुरक्षण प्रभावित होगा बल्कि सैकड़ों आसपास के जनजातीय समुदायों के लोग भी बेरोजगार होजाएंगे। सभी संगठनों ने इस फैसले पर आपत्ति दर्ज कराई है।

कहा कि यह फैसला प्रबंधन के अदूरदर्शिता का द्योतक है। कहा कि प्रदेश को सबसे सस्ती बिजली उपलब्ध कराने वाले परियोजना में साजिश कर महंगी बिजली खरीद का कुचक्र रचा जा रहा है। अभियंता समुदाय इसकी निंदा करता है। इस फैसले को तत्काल वापस लिया जाय। मार्च मे रोहित राय, विनोद कुमार, मनोज यादव, अभिषेक बरनवाल, अभिषेक त्रिपाठी, उत्पल शंकर, राजकुमार सिंह आदि की भागीदारी रही।

अंडर ग्राउंड पुलिया का सेफ्टी गार्डर टूटकर गिरा,चालक घायल

गुरमा (सोनभद्र)। चोपन थाना क्षेत्र के सलखन मुख्य राजमार्ग स्थित अंडर ग्राउंड रेलवे पुलिया का सेफ्टी गार्डर सोमवार को अचानक टूटकर हाइवा पर गिर गया। इससे हाइवा चालक अमरेश चंद्र - 30 वर्ष पुत्र शंभू निषाद निवासी चकया थाना रायपुर घायल हो गए। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।सोमवार की सुबह करीब 9 बजे राबर्टसगंज से चोपन की ओर खाली हाइवा जा रही थी। संयोग से हाइवा का जंक उठा हुआ था। जैसे ही सलखन हाइवा रेलवे पुलिया के पास पहुंची उसकी टक्कर अंडर ग्राउंड रेलवे पुलिया के सेफ्टी गार्डर से हो गई। इससे गाडर टूटकर हाइवा के केबिन पर जा गिरा। इस हादसे में हाइवा का खलासी तो सुरक्षित बच गया लेकिन चालक अमरेश को सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर आई। स्थानीय लोगों के सहयोग से चालक को सुरक्षित निकाल कर जिला चिकित्सालय भेजा गया। दुर्घटना के पश्चात कुछ देर के लिए वाहनों का आवागमन बाधित होने के पश्चात चालक वाहनों को दूसरे पुलिया से निकाल कर आने जाने लगे।

बाइक के धक्के से तीन छात्राएं घायल

विढमगंज। स्थानीय थाना से सटे रेलवे स्टेशन के पास एक बाइक अनियंत्रित हो गई। इसकी चपेट में आने से तीन छात्राएं घायल हो गईं। घायल सुगंधा कुमारी पुत्री तपेश्वर पासवान, चंदा कुमारी पुत्री शंभू पासवान व रेखा कुमारी पुत्री राजेंद्र पासवान ग्राम पंचायत धरतीडोलवा की रहने वाली है। तीनों छात्राओं को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विढमगंज भेजा गया। बाइक एक किशोर चला रहा था। घटना के बाद वह फरार हो गया। पुलिस ने उसकी बाइक कब्जे में ले लिया है।

वाहनों से हटाई काली फिल्म, जांच

घोरावल (सोनभद्र)। स्थानीय पुलिस टीम ने आगामी चुनाव को देखते हुए दर्जनों चार पहिया वाहनों की चेकिग की। सोमवार को कस्बा से लगे खुटहा गांव से होकर मीरजापुर को जोड़ने वाले बाईपास मोड़ पर कई चार पहिया गाड़ियों की डिग्गी को खुलवाकर जांच की गई। पुलिस ने वाहनों के कागजात, वाहनों से काली फिल्म और बैग चेक किए। विधानसभा क्षेत्र में जांच पड़ताल जारी रही। कहीं फ्लाइंग स्काट टीम तो कहीं प्रशासनिक टीम वाहनों की जांच पड़ताल में जुटी रही। आचार संहिता लगने के बाद चुनाव में खलल डालने अथवा अवैध गांजा शराब आदि की आपूर्ति बढ़ गई है। अवैध व संदिग्ध वाहनों के परिवहन को लेकर पुलिस कर्मी सतर्क रहे।

कुकिग परीक्षा में छात्राओं ने बनाए लजीज व्यंजन

अनपरा (सोनभद्र)। अनपरा तापीय परियोजना आवासीय परिसर स्थित राजकीय इंटर कालेज में सोमवार को हाईस्कूल गृहविज्ञान की कुकिग परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने एक से बढ़कर एक लजीज व्यंजन बनाकर अपनी गृहकला की उपयोगिता को प्रदर्शित किया तमाम व्यंजन सजाकर कलात्मक ढंग से प्रस्तुत किए। सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। परीक्षकों की टीम ने छात्राओं के बनाए गए व्यंजन की सराहना की। टीम ने छात्राओं के व्यंजन के संदर्भ में उनसे वार्ता कर विस्तृत जानकारी ली। अन्य विषयों पर भी इसी तरह रूचि पूर्वक पढ़ाई करने पर जोर दिया। परीक्षा में 145 छात्राओं ने भाग लिया। निरीक्षण टीम में राजेश कुमार यादव, डा. श्वेता श्रीवास्तव, उपमा बैस, श्रवण कुमार पाठक, विवेक कुमार राय, विमल उपाध्याय समेत अन्य शिक्षक शामिल रहे।

पत्नी की हत्या का आरोपित पति गिरफ्तार

सोनभद्र। पत्नी की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या करने वाले पति को सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित पति राजाराम गोड़ पुत्र हरि मंगल गोड़ को बरवा मोड़ तिराहा के पास से पकड़ा। पुलिस ने उसके पास से हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद किया है। यह घटना राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के चेरूई ग्राम पंचायत के डीहिया का पुरवा टोला में रविवार को हुई था आरोपित का सोमवार को चालान कर दिया गया। गौरतलब कि रविवार की सुबह राजाराम गोड़ ने अपनी पत्नी मुनिया देवी की घरेलू विवाद में कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद वह घर से फरार हो गया था। इसके बाद पुलिस आरोपित के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

समाज व राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का करें निर्वहन

शक्तिनगर (सोनभद्र)। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर शक्तिनगर की देखरेख में आयोजित 7 दिन के विशेष शिविर के चौथे दिन का शुभारंभ लक्ष्य गीत से हुआ। 3 मार्च तक चलने वाले विशेष शिविर के चौथे दिन का आयोजन दो सभा में किया गया पहली सभा में प्रशिक्षण शिविर तथा दूसरी सभा बौद्धिक संगोष्ठी हुई। पहली सभा का शुभारंभ मुख्य अतिथि आशीष चौबे ने किया। योगाचार्य सचिन तिवारी ने स्वयंसेवकों को योग का प्रशिक्षण दिया। विशिष्ट अतिथि डा. चंद्रशेखर सिंह कार्यकारी निदेशक महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ने स्वयंसेवकों को जीवन मे अपने लक्ष्य के मार्ग को कैसे हासिल करें, उसका मूल मंत्र दिए। इसी क्रम में डा. दिनेश कुमार वाणिज्य विभाग ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से आप समाज व राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रभाकर लाल के सफल संयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन डा. राम कीर्ति सिंह व धन्यवाद ज्ञापन डा. निशा सिंह ने किया।

आकाशीय बिजली गिरने से बैंक का सर्वर जला

कोन (सोनभद्र)। स्थानीय इंडियन बैंक की शाखा का जबसे विलय हुआ है तब से इस बैंक से जुड़े उपभोक्ताओं की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। बैंक का सर्वर अक्सर फेल होने के साथ ही ग्राहक बैंक में कैश की किल्लत से झेल रहे हैं। करीब एक वर्ष से क्षेत्र के उपभोक्ता परेशान हैं। रविवार को आकाशीय बिजली बैंक के सर्वर पर गिर जाने से बैंक का कामकाज ठप हो गया। जबकि मंगलवार को बैंक की छुट्टी हो जाएगी। ऐसे में सबसे ज्यादा प्रभावित व्यापारी हो रहे हैं। बता दे कि जब से जीएसटी लागू हुआ है, 90 फीसदी व्यापार में नकदी की लेन देन बंद हो गया है। यही नही अभी चुनाव के माहौल में व्यापारी अपनी दुकान खरीदारी के लिए भी नगदी लेकर नही जा सकता। महाशिवरात्रि व होली का त्योहार होने के कारण क्षेत्र में इंडियन बैंक की शाखा होने से व्यापारियों व ग्रामीणों की समस्या कम नहीं हो रही है। ग्रामीणों व व्यापारियों ने तत्काल कोन बैंक का सर्वर बनवाने व एक दूसरे बैंक खोलने की मांग की है।

सोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट द्वारा शिवा एकेडेमी सुकृत सोनभद्र में पेन्टिंग प्रतियोगिता हुई संपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
अश्विनी कुमार ठाकुर

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के कर्मा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा सुकृत में स्थित विद्यालय शिवा एकेडमी में ठसोनभद्र मानव सेवा आश्रम ट्रस्ठ के सौजन्य से बच्चों के कला कौशल को विकसित करने के लिए एक दिवसीय पेन्टिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन किया गया जिसमें बच्चों नें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। पेन्टिंग प्रतियोगिता में कक्षा 4 से लेकर कक्षा 8 तक के बच्चों नें प्रतिभाग किया। बच्चों द्वारा विभिनन प्रकार के चित्र बनाये गये जैसे- राष्ट्रीय पुष्प, उगता हुआ सूरज, भारतीय रेल, हंसता हुआ बालक, घड़ा ली हुई महिला। प्रतियोगिता में अपनी कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करनें वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण- पत्र दिया गया। इस मौके पर ट्रस्ट की महिला जिला सचिव सोनभद्र राधिका यादव, विद्यालय के प्रधानाचार्य गौतम विश्वकर्मा, सहायक अध्यापक गण तथा बच्चे मौजूद रहे।

कुत्तों के डर से गंगा में कूदे युवक का तीसरे दिन मिला शव

सीखड़ (मीरजापुर)। चुनार क्षेत्र के सीखड़ के मवैया गांव के सामने इनरा घाट पर कुत्तों के डर से गंगा में छलांग लगाने वाले सान्याल उर्फ पंकज (24) का शव तीसरे दिन सोमवार को गंगा में वहीं से कुछ दूर उतराया हुआ पाया गया। मछुवारों ने किले के पास उतराए शव को देख पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे स्वजन द्वारा शव की शिनाख्त की गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुक्रवार की सुबह साढ़े सात बजे के लगभग मवैया गांव के सामने रेती पर दौड़ लगाने के लिए पंकज गया था। यहां उसे आधा दर्जन कुत्ते दौड़ा लिए थे। इनसे बचने के लिए उसने गंगा में छलांग लगा दी थी। स्वजन में कोहराम मचा रहा।

युवक की धारदार हथियार से हत्या, आंख भी फोड़ी

चील्ह (मीरजापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के चेकसारी गांव में मथुरा सिंह आफ ला कालेज के सामने विखंडित रेलवे पटरी के पास भदोही जिले के खेतलपुर, कोइरौना निवासी सुनील कुमार यादव उर्फ सोनी (25) की धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी गई। हत्यारों ने आंख फोड़ने के साथ ही उसके दांत भी तोड़ दिए थे। पुलिस एक महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसपी अजय कुमार सिंह, एएसपी संजय कुमार वर्मा, डाग स्क्वायड व फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घटना स्थल की छानबीन की। सुनील पिछले चार साल से अपने मामा अरविद यादव निवासी नएपुर थाना चील्ह के यहां रहता था। वह 2020 में बीएससी की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुंबई जाकर काम करने लगा। वहां कोरोना का प्रकोप बढ़ने के बाद 2021 में दोबारा मामा के यहां आकर रहने लगा। रविवार की रात करीब नौ बजे घर के लोगों के साथ खाना खाने के बाद घर से सौ मीटर दूर सड़क किनारे स्थित दूसरे मकान में सोने चला गया। रात 10 बजे तक वह कमरे में देखा गया। सुबह घर के लोग उसे जगाने कमरे पर गए तो वहां नहीं था। सुबह 10 बजे तक नहीं आया तो उसकी खोजबीन शुरू हुई। इसी बीच किसी ने उसकी फोटो फेसबुक पर डाली तो स्वजन को जानकारी हुई। वह घटना स्थल पर पहुंचे तो बताया गया कि शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है। यहां आकर देखा तो वह सुनील का ही शव था। मामा की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। जिस क्रूरता से हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है वह रोंगटे खड़े करने वाला है। सुनील के चेहरे और गर्दन पर धारदार हथियार से न सिर्फ कई बार वार किए गए थे बल्कि उसकी एक आंख फोड़ने के साथ ही दांत भी तोड़ दिए गए थे। चेकसारी के बंद पड़े रेलवे क्रासिग के जिस स्थान पर सुनील की हत्या की गई है वहां पर शराब व पानी की बोतलें, नमकीन आदि नशे व खाने पीने की वस्तु मिली है। इससे आशंका जताई गई कि आरोपितों ने पूरी प्लानिग के साथ उसकी हत्या करने की योजना बनाई थी। घटना स्थल की स्थिति देखकर लगा कि पहले उन लोगों ने युवक के साथ मिलकर शराब पी। इसके बाद जब वह नशे में हो गया तो उसके ऊपर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। सुनील यादव दो भाई व दो बहनों में सबसे छोटा था। सबसे बड़े उसके भाई कंप्यूटर यादव, उसके बाद उसकी दो बहने हैं। जिनकी शादी हो चुकी है। इसके बाद सुनील है। उसके पिता खेती किसानी करते हैं। मामा भी किसानी का कार्य करते हैं। युवक की हत्या के राजफाश को चार टीमें गठित की गई हैं। जल्द ही घटना का अनावरण कर दिया जाएगा।

मतदान के दौरान कतई किसी का आतिथ्य न करें स्वीकार

मीरजापुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में 80 वर्ष से अधिक आयु, दिव्यांग मतदाताओ एवं कोविड-19 के संदिग्ध व प्रभावित व्यक्ति डाकमत पत्र से मतदान कराएंगे। मतदान कार्मिकों को राजकीय इंटर कालेज में प्रशिक्षित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने निरीक्षण किया। कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के क्रम में 80 वर्ष से अधिक आयु, दिव्यांग मतदाता एवं कोविड-19 के संदिग्ध प्रभावितों के घर पर मतदान देने के लिए आवेदन किया है, उनके घर पर मतदान कार्मिक जाकर वोट दिलाएंगे। राजकीय पालीटेकिन्क कालेज में ईवीएम कमिशिन्ग कार्य का जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार व उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ला ने निरीक्षण कर कहा कि किसी मतदाता के घर पहुंचने के बाद कार्मिकों के द्वारा किसी आतिथ्य स्वीकार नहीं किया जाएगा ताकि निष्पक्ष व पारदर्शी मतदान का उद्देश्य बरकरार रहे। घर पर मतदान कम्पार्टमेंट में वोट देते समय किसी के द्वारा वीडियो अथवा फोटो नहीं बनाया जाएगा। प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। प्रत्येक मतदान दल में एक मतदान अधिकारी प्रथम, तृतीय, एक वीडियोग्राफर, 1 माइक्रो आब्जर्वर व सुरक्षाकर्मी रहेंगे। 2 व 3 मार्च को प्रातः 7:30 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में संबंधित विधानसभा के रिटर्निंग आफिसर व सहायक रिटर्निंग आफिसर से मतदान के लिए एवं मतपत्र, वाहन आदि प्राप्त कर प्रत्येक दशा में 08 बजे मतदान हेतु अपने क्षेत्र को प्रस्थान करेंगे। मतदाता को निर्वाचन आयोग द्वारा जारी 12 पहचान पत्र

में किसी एक को दिखाना अनिवार्य होगा। डाक मत पत्र सहायक रिटर्निंग आफिसर द्वारा प्रभारी अधिकारी डाक मत पत्र से प्राप्त किया जाएगा। मतदान अधिकारी प्रथम को मत पत्र निर्गत करने से पूर्व डाकपत्र पर हस्ताक्षर व मुहर लगाकर ही उपलब्ध कराएं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल ने बताया कि रिटर्निंग आफिसर द्वारा मतदान तिथि व टीम भ्रमण की सूचना प्रेक्षक व विधानसभा के प्रत्याशियों को 80 वर्ष से अधिक आयु, दिव्यांग मतदाताओं की सूची डाकमत पत्र द्वारा मतदान कराया जाना है। डाक मत पेटी को कोषागार के डबल लाक से निकासी एवं जमा आदि करने की प्रक्रिया की भी वीडियोग्राफी करायी जाएगी। - मीरजापुर विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल, शांतिपूर्ण व पारदर्शी ढंग से संपनन कराने के दृष्टिगत प्रेक्षक एम वल्लालर ने राजकीय इंटर कालेज महुवरिया में माइक्रो आब्जर्वर के प्रशिक्षण प्रक्रिया का निरीक्षण किया। प्रशिक्षण में रखे गए ईवीएम को स्वयं चलाकर देखा।माइक्रो आब्जर्वर की भूमिका मतदान में महत्वपूर्ण अतएव वें भली भांति प्रशिक्षण प्राप्त करें ताकि मतदान को सकुशल संपनन कराया जा सके।

कही धान खरीद नहीं तो कही भुगतान को लेकर किसानों का फूटा गुस्सा

मीरजापुर। किसानों की आय दोगुनी करने की लाख प्रयास किए जाए, परंतु धरातल पर किसानों का उत्पीड़न नहीं रुक रहा है। किसान अपनी बोई फसल को बेचने के लिए क्रय केंद्र पर खड़े हैं, लेकिन उनकी खरीद नहीं हो रही है। दूसरी तरफ धान को बेच दिया तो भुगतान नहीं हो रहा है। ऐसे में किसानों का गुस्सा तो जायज ही है। सोमवार को जमालपुर के ओड़ी क्रय केंद्र पर खरीद न होने पर ताला जड़ दिया, दूसरी तरफ धान क्रय केंद्र हलिया द्वितीय पर भुगतान न होने पर किसानों ने प्रदर्शन कर आक्रोश जताया। धान खरीद न होने से नाराज अनन्दाताओं ने ओड़ी साधन सहकारी समिति धान क्रय केंद्र के मुख्य द्वार पर ताला बंद कर धरना-प्रदर्शन कर आक्रोश जताया। एक दर्जन से अधिक अनन्दाता सुबह साढ़े दस बजे क्रय केंद्र पहुंचे और धान खरीद न होने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करते हुए केंद्र पर ताला जड़ दिया। अनन्दाताओं ने मोबाइल से फोन कर चुनार विधायक से धान खरीद कराने की मांग की। करीब डेढ़ घंटे बाद क्रय केंद्र प्रभारी के मान मनौव्वल के बाद केंद्र का ताला किसानों ने खोला। इस मौके पर सुनील सिंह, महराजी देवी, त्रिवेणी प्रसाद, दुर्गा सिंह, रामभरोष सिंह, रितेश कुमार, पप्पू जायसवाल, छन्नू प्रसाद, लवकुश, मेवालाल, गुलाब मौर्या आदि मौजूद रहे। राजकीय विपणन केन्द्र मवई कलां में खादय विभाग द्वारा बनाए गए धान क्रयकेंद्र हलिया द्वितीय पर घंटों इंतजार करने के बाद भी केंद्र प्रभारी के नहीं मिलने से आक्रोशित किसानों ने प्रदर्शन कर तौल की गई धान का भुगतान कराने की मांग की। एक माह से भी अधिक समय से पहले तौल करवाए गए धान का भुगतान के लिए फिगर लगवाने के लिए दर्जनभर से अधिक किसान क्रयकेंद्र पर पहुंचे। यहां घंटों बाद क्रयकेंद्र प्रभारी करूणेन्द्र सिंह के नहीं मिलने तथा मोबाइल फोन स्वीच ऑफ मिलने पर किसान आक्रोशित हो गए और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। किसान बृजेश कुमार दुबे, आदर्श सिंह, अंबुज पांडेय,श्रीराम पांडेय,राम अनुज पांडेय, रूपेश पांडेय आदि ने प्रदर्शन करते हुए केंद्र प्रभारी पर मनमानी करने तथा धान खरीद में बड़े पैमाने पर धांधली करने का आरोप लगाया। किसानों ने बताया कि क्रयकेंद्र पर बीते जनवरी माह में धान की तौल करवाने के बाद भी केंद्र प्रभारी द्वारा फिगर नहीं लगवाए जाने पर मंडलायुक्त, जिलाधिकारी को शपथपत्र सहित प्रार्थना पत्र देकर भुगतान कराने की गुहार लगाई है, लेकिन अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है।

कोहली के पास मोहाली टेस्ट में वो रिकार्ड बनाने का मौका जो किसी भारतीय बल्लेबाज ने नहीं बनाया

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के चार मार्च से मोहाली में शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच के साथ भारतीय क्रिकेट एक नए युग में प्रवेश करेगा। 34 साल के रोहित शर्मा पहली बार टेस्ट कप्तान के रूप में खेलते नजर आएंगे तो 33 साल के पूर्व कप्तान विराट कोहली सात साल से ज्यादा समय के बाद सिर्फ बतौर बल्लेबाज किसी टेस्ट मैच में उतरेंगे। इस तरह से यह टेस्ट मैच रोहित के लिए तो यादगार होगा, साथ ही विराट के लिए भी यह खास है, क्योंकि यह विराट के करियर का 100वां टेस्ट मैच होगा। ऐसे में विराट मोहाली में शतक जड़कर अपने 100वें टेस्ट को यादगार बनाना चाहेंगे विराट ने अपना पिछला अंतरराष्ट्रीय शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में बनाया था। उसके बाद से विराट ने 15 टेस्ट की 27 पारियां खेली है, लेकिन उनके बल्ले से कोई शतक नहीं निकला। इस दौरान उन्होंने सिर्फ छह अर्धशतक जड़े हैं और उनका सर्वाधिक स्कोर 79 रन रहा है। इस दौरान उनकी बल्लेबाजी औसत भी सिर्फ 28.14 का रहा है। वहीं यदि तीनों प्रारूपों की बात की जाए तो पिछले शतक के बाद से विराट ने कुल 61 मैचों की 70 पारियां खेली हैं, जिनमें उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 94 रन रहा है। इस दौरान उन्होंने 24 अर्धशतक जड़े और उनकी औसत 38.04 की

रही। कमाल की बात यह है कि लंबे समय से इस खराब रिकार्ड के बावजूद विराट के नाम टेस्ट में टेस्ट में 27 शतक और तीनों प्रारूपों में मिलाकर 70 शतक लगाए है। आज भी उनकी टेस्ट में बल्लेबाजी औसत 50.39 का है तो तीनों प्रारूपों में यह औसत 54.30 का है। विराट के शतक और औसत बताते हैं कि वह कितने बड़े बल्लेबाज हैं और अब जब वह अपने 100वें टेस्ट में उतरेंगे तो वह खुद भी अपने शतकों के सूखे को खत्म करना चाहेंगे। उनके लिए फायदे की बात यह होगी कि अब कप्तानी की जिम्मेदारी नहीं होने से वह उन्मुक्त होकर बल्लेबाजी कर सकेंगे। मोहाली को भी विराट के शतक का इंतजार : विराट के लिए एक चिंता की बात यह भी है कि मोहाली का आइएस बिंद्रा स्टेडियम उन स्टेडियम में शामिल है जहां वह अभी तक कोई टेस्ट शतक नहीं लगा सके हैं। यहां उन्होंने अभी तक तीन टेस्ट खेले हैं और इस दौरान दो अर्धशतकों के साथ 49.75 की औसत से 199 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 67 रन रहा है। इस तरह से मोहाली को भी विराट के शतक का इंतजार है। कोई भारतीय नहीं जड़ सका 100वें टेस्ट में शतक : 100 टेस्ट खेलने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी इंग्लैंड के कोलिन काउड्रे थे। उन्होंने जुलाई 1968 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के दौरान बर्मिंघम टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की थी। इस टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 104 रन बनाए थे और इस तरह से वह न सिर्फ 100 टेस्ट खेलने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने, बल्कि 100वें टेस्ट में शतक जड़ने वाले भी पहले खिलाड़ी बने। वैसे अब तक नौ खिलाड़ी अपने 100वें टेस्ट में शतक जड़ चुके हैं। आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग ने अपने 100वें टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं, जबकि इंग्लैंड के जो रूट 100वें टेस्ट में दोहरा शतक जड़ने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। काउड्रे के अलावा इंजमाम उल हक, रिकी पोंटिंग, ग्रीम स्मिथ और जो रूट ने उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जो अपने 100वें टेस्ट में शतक बनाने के साथ ही अपनी टीम के कप्तान भी थे। अब तक 11 भारतीय 100 टेस्ट खेल चुके हैं, लेकिन कोई भी भारतीय अपने 100वें टेस्ट में शतक नहीं जड़ सका है। ऐसे में अब विराट से सभी को उम्मीद होगी कि वह अपने 100वें टेस्ट में शतक जड़कर इस सूची में भारतीयों की उपस्थिति दर्ज कराएं।

सुनील गावस्कर की इच्छा विराट लगाएं अपने 100वें टेस्ट में सेंचुरी, बताया क्यों चाहते हैं ऐसा

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज जीतने के बाद अब टीम की नजर दो मैचों की टेस्ट सीरीज पर है, जिसकी शुरुआत 6 मार्च को मोहाली में होने जा रही है। ये टेस्ट पूर्व कप्तान विराट कोहली के करियर के लिए बेहद खास होने वाला है क्योंकि ये उनका 100वां टेस्ट मैच होगा। कोहली को ये टेस्ट अपने फैंस की गैर मौजूदगी में ही खेलना होगा

क्योंकि इस मैच में दर्शकों की एंट्री नहीं हो सकेगी। इस बड़े मैच से पहले महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत करते हुए कहा है कि कोहली वर्तमान समय का बेहतरीन टेस्ट खिलाड़ी है। इस मौके पर गावस्कर ने कहा ठमैं इतना कह सकता हूं कि ये एक उपलब्धि है। जब आप बचपन में क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं आपके मन में होता है कि एक दिन देश के लिए खेलें। देश के लिए खेलते-खेलते अचानक आपको पता चलता है कि आप 100वें टेस्ट मैच पर पहुंच गए हैं। ये एक बेहतरीन फीलिंग है। केवल टेस्ट ही नहीं उन्होंने तीनों फार्मेट में कमाल का काम किया है। इस मैच में कोहली के पास इतिहास रचने का मौका होगा। कोहली के पास इस मैच में सेंचुरी बनाने का मौका होगा। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने की बात है तो कोहली भारत के 12वें बल्लेबाज बन जाएंगे जिन्होंने 100 या इससे अधिक मैच खेले हों। इस सूची में सचिन तेंदुलकर और सुनिल गावस्कर जैसे नाम भी शामिल हैं। गावस्कर चाहते हैं कि कोहली इस मैच में शतक लगाएं और उन खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम भी दर्ज कराएं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में ये कारनामा किया है। उन्होंने कहा कि ज्यादा बल्लेबाजों ने ऐसा नहीं किया है। कालिन काउड्रे ने पहली बार ये कारनामा किया है। अभी तक 9 ऐसे बल्लेबाज हैं जो ये कारनामा कर चुके हैं। इस सूची में जावेद मियांदाद, एलेक्स स्टीवर्ट जैसे बल्लेबाज हैं। अपने 100वें टेस्ट मैच में दोनों पारियों में शतक लगाया है। हालांकि ऐसा करने वाले वो पहले बल्लेबाज हैं। अगर कोहली अपने 100वें टेस्ट में ऐसा करने में कामयाब हो जाते हैं तो वे भारत की तरफ से पहले और एशिया के तीसरे बल्लेबाज बन जाएंगे जो ऐसा करेंगे। इससे पहले जावेद मियांदाद और इंजमाम उल हक ऐसा कर चुके हैं।उन्होंने अपने 100वें टेस्ट की याद भी शेयर की और बताया कैसे वो अपने 100वें टेस्ट मैच में 48 रन के स्कोर पर स्कवायर लेग पर आसान सा कैच देकर आउट हो गए थे।

काइल वेरेने का शतक दूसरे टेस्ट में साउथ अफ्रीका मजबूत स्थिति में

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में पारी की हार झेलने वाली साउथ अफ्रीका ने जोरदार वापसी की है। दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन मेहमान टीम ने 426 रन का विशाल लक्ष्य सामने रखा। दिन का खेल खत्म होने से पहले न्यूजीलैंड के 100 रन से पहले चार विकेट चटकाते हुए साउथ अफ्रीका ने मैच में स्थिति मजबूत कर ली। क्विंटन डिकाक के अचानक संन्यास लेने के बाद विकेटकीपर की जिम्मेदारी संभालने वाले काइल वेरेने के पहले शतक से दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन सोमवार को अपना पलड़ा भारी रखा। वेरेने के नाबाद 136 रन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने चाय से ठीक पहले दूसरी पारी नौ विकेट पर 354 रन पर घोषित करके न्यूजीलैंड को 425 रन का लक्ष्य दिया जिसके बाद मेजबान टीम 94 रन पर चार विकेट गंवाकर संकट में है। कैगिसो रबादा ने 34 गेंदों में करियर की सर्वश्रेष्ठ 47 रन की पारी खेलकर वेरेने का अच्छा साथ दिया। रबादा ने इसके बाद न्यूजीलैंड के दोनों सलामी बल्लेबाजों कप्तान टाम लाथम (01) और विल यंग (00) को पवेलियन भेजकर उसका स्कोर नौ रन पर दो विकेट किया। बायें हाथ के स्पिनर केशव महाराज

ने हेनरी निकोल्स (07) और डेरिल मिशेल (24) को बोल्ड करके न्यूजीलैंड की मुसीबत बढ़ाई। दिन का खेल खत्म होने पर दक्षिण अफ्रीका में जन्में डेवोन कोनवे 60 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि दूसरे छोर पर विकेटकीपर बल्लेबाज टाम ब्रूंडेल एक रन बनाकर उनका साथ निभा रहे है। न्यूजीलैंड को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 19 साल में पहली टेस्ट सीरीज जीतने के लिए सिर्फ ड्रा की जरूरत है।

पहले बेटी और अब पिता को खोने के बावजूद विष्णु सोलंकी खेलेंगे अगला मैच

वडोदरा। पहले बेटी की मौत और फिर सिर से पिता का साया उठने से शोक संतप्त विष्णु सोलंकी ने बड़ौदा की रणजी टीम के साथ बने रहने और ग्रुप चरण के तीसरे मैच में खेलने फैसला किया है। विष्णु सोलंकी के साथ जो कुछ हुआ है वो अपने-आप में बेहद दुखद है, लेकिन इस तरह की घटना होने के बाद भी उन्होंने जो जज्बा दिखाया वो तारीफ के काबिल है। पिछले कुछ सप्ताह सोलंकी के लिए बेहद कठिन रहे हैं क्योंकि अपनी नवजात बेटी को खोने के कुछ दिनों के बाद रविवार को उनके बीमार पिता की भी मौत हो गई। बड़ौदा क्रिकेट संघ के सचिव अजित लेले ने सोमवार को कहा, 'वह (विष्णु)

आखिरी मैच खेलेंगे। वह वापस नहीं आ रहे हैं। वह तीसरा मैच खेल रहे हैं। वह टीम के साथ रुक रहे हैं।' यह 29 साल का क्रिकेटर 10 फरवरी को पिता बने थे, लेकिन अगले ही दिन उनकी बच्ची की मौत हो गई। उन्होंने हालांकि इस सदमे से वापसी करते हुए चंडीगढ़ के खिलाफ जज्बे के साथ 104 रन की पारी खेली। इसी मैच के आखिरी दिन उन्हें पिता के निधन की खबर मिली। पिता के निधन की खबर के बाद भी उन्होंने टीम से वापस घर जाना मुनासिब नहीं समझा और अपने पिता को वीडियो काल के जरिए आखिरी विदाई दी। विष्णु ने जिस तरह का धीरज दिखाया वो गजब का है। अब वो अपनी टीम के साथ ही रहेंगे और बड़ौदा की टीम एलीट ग्रुप-बी के अपने आखिरी मैच में तीन मार्च से हैदराबाद का सामना करेगी। 29 साल के विष्णु सोलंकी बल्लेबाज हैं साथ ही वो राइट आर्म आफ ब्रेक गेंदबाजी भी कर लेते हैं। अब तक 25 फर्स्ट क्लास मैच में 1679 रन बनाए हैं जिसमें 6 शतक शामिल है तो वहीं 39 लिस्ट ए मैचों में 1019 रन बनाए हैं और एक शतक लगाया है। वहीं 46 टी20 मैच में उनके नाम पर 883 रन दर्ज है। इसके अलावा फर्स्ट क्लास मैच में उन्होंने 11 विकेट भी लिए हैं।

रोहित को राहुल या ईशान नहीं बल्कि इस बल्लेबाज के साथ करना चाहिए ओपन, आस्ट्रेलिया के दिग्गज ने बताया नाम

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में ईशान किशन के साथ पारी की शुरुआत की थी तो वहीं श्रीलंका के खिलाफ पहले दो मैचों में रोहित और ईशान की जोड़ी ने ही पारी की शुरुआत की थी। ईशान ने श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच में शानदार पारी खेली थी और रोहित के साथ शतकीय पारी खेली थी और टीम को जीत मिली थी। ईशान किशन को मौका तब मिला जब केएल राहुल टीम में नहीं थे। अगर केएल टीम में होते तो टी20 में रोहित के साथ पारी की शुरुआत शायद वही करते, लेकिन आस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर का मानना है कि सफेद गेंद की क्रिकेट में रोहित शर्मा को ईशान किशन या फिर केएल राहुल के साथ पारी की शुरुआत नहीं करनी चाहिए। ब्रैड हाग के मुताबिक वनडे या फिर टी20 रोहित शर्मा को पारी की शुरुआत विराट कोहली के साथ करनी चाहिए। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए हाग ने कहा कि कोहली के कप्तान रोहित के साथ मैन इन ब्लू के लिए पारी की शुरुआत करनी चाहिए। उन्होंने ये भी सुझाव दिया कि अगर कोहली ओपनिंग करते हैं तो फिर श्रेयस अय्यर को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। वहीं रिषभ पंत नंबर चार पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। हाग ने कहा कि मेरे लिए अगर आप विराट कोहली को टीम में रखना चाहते हैं तो उन्हें रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करनी चाहिए। मैं चाहता हूं कि श्रेयस अय्यर नंबर तीन पर जबकि रिषभ पंत नंबर चार पर बल्लेबाजी करें। किसी समय केएल राहुल को भी वहां ले जाएं और हार्दिक पांड्या अगर फिर है तो उन्हें छठे नंबर पर जबकि रवींद्र जडेजा को सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा कि नंबर पांच पर बल्लेबाजी के लिए सूर्यकुमार यादव हो सकते है जबकि हार्दिक फिट नहीं है तो नंबर छह पर वेंकटेश अय्यर को रखा जा सकता है। वहीं उन्होंने बतौर तेज गेंदबाज टीम के आक्रमण की जिम्मेदारी बुमराह, शमी और सिराज को दी जबकि ये कहा कि लीड स्पिनर युजवेंद्रा चहल होने चाहिए।

वार्म अप मैच से पहले खुशखबरी सिर पर चोट लगने के बाद विस्फोटक ओपनर वापसी के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना से जुड़ी अपडेट सामने आ रही है। उनकी हालत समान्य बताई जा रही है और उनकी स्थिति

में तेजी से सुधार हो रहा है। ये जानकारी बीसीसीआई के तरफ से दी गई है। गौरतलब है कि रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए वर्ल्ड कप वार्म-अप मैच के दौरान मंधाना को सिर में चोट लग गई थी जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ बाहर जाना पड़ा था। बल्लेबाजी के दौरान दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल के बाउंसर पर मंधाना को ये चोट लगी थी। मंधाना को डाक्टरों की एक टीम की निगरानी में रखा गया था। जांच के बाद, स्मृति का उनके बाएं कान के निचले हिस्से में चोट का पता चला था, जिससे बल्लेबाजी करते समय उन्हें असुविधा हुई और इसलिए उन्हें मैदान से रिटायर्ड हर्ट होकर बाहर जाना पड़ा था। उस समय तक उन्होंने 23 गेंदों पर 12 रन बनाए थे। सुरक्षा के लिहाज से उन्हें आराम करने की सलाह दी गई थी। लेकिन अब भारतीय महिला टीम के लिए अच्छी खबर सामने आ रही है। फिलहाल मंधाना तेजी से रिकवर कर रही है और उनकी हालत स्थिर है। उन्हें मेडिकल की एक टीम की निगरानी में रखा गया है। उनके मैच खेलने के बारे में ही लिया जाएगा। मंधाना का चोट से उबरना भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए राहत की खबर है क्योंकि टीम 6 मार्च से पाकिस्तान के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी।

गुजरात टाइटंस को लगा झटका, इस बल्लेबाज ने अपना नाम टूर्नामेंट से पहले लिया वापस

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ओपनर बल्लेबाज जेयन राय इस महीने से शुरू होने वाले आइपीएल

के 15वें सत्र से बाहर हो गए। एक रिपोर्ट में इसका दावा किया गया। सलामी बल्लेबाज जेसन राय ने लीग में लंबे समय तक बायो-बबल (कोरोना से बचाव के लिए बनाया गया सुरक्षित माहौल) में बने रहने की चुनौती का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया। आइपीएल की टीम गुजरात टाइटंस ने हाल ही में मेगा नीलामी में राय को उनके आधार मूल्य दो करोड़ रुपये में खरीदा था। अब फ्रेंचाइजी उनकी जगह दूसरे खिलाड़ी की तलाश कर रही है आइपीएल के 15वें सीजन की शुरुआत 26 मार्च से होगी और इसका फाइनल मुकाबला 29 मई को खेला जाएगा। इस बार सभी 70 लीग मुकाबले महाराष्ट्र में खेले जाएंगे जिसके लिए मुंबई के तीन स्टेडियम तो वहीं पुणे के एक स्टेडियम का इस्तेमाल किया जाएगा। इस बार आइपीएल में 10 टीमें हिस्सा ले रही है और गुजरात टाइटंस इसमें पहली बार शामिल होगी। इस टीम का कप्तान भारतीय आलराउंडर हार्दिक पांड्या को बनाया गया है। गुजरात ने नीलामी से पहले हार्दिक पांड्या, राशिद खान और शुभमन गिल को अपनी टीम में शामिल किया था। इसके बाद आइपीएल 2022 के लिए हुई नीलामी में इस टीम ने जेसन राय को दो करोड़ में खरीदा था तो वहीं लाकी फर्ग्यूसन को 10 करोड़, मो. शमी को 6.25 करोड़, राहुल तेवतिया को 9 करोड़ को डेविड वार्नर को 3 करोड़ में खरीदा था। इसके अलावा भी टीम ने कई अन्य खिलाडियों को अपने साथ जोड़ा था।

पंजाब किंग्स ने की अपने नए कप्तान की घोषणा, इस खिलाड़ी को मिली जिम्मेदारी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2022 को लेकर पंजाब किंग्स ने अपने नए कप्तान की घोषणा कर दी है। पंजाब किंग्स की तरफ से जानकारी देते हुए कहा गया कि मयंक अग्रवाल उनकी टीम के नए कप्तान होंगे। आपको बता दें कि मयंक अग्रवाल 2018 से लगातार पंजाब टीम से जुड़े हुए हैं और उप कप्तान की भी भूमिका निभा चुके हैं। पंजाब किंग्स के कप्तान मयंक अग्रवाल ने कहा मैं 2018 से पंजाब किंग्स में हूं और मुझे इस शानदार टीम का प्रतिनिधित्व करने में बहुत गर्व है। मुझे टीम का नेतृत्व करने का मौका मिलने पर खुशी हो रही है। मैं इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से स्वीकार करता हूं। साथ ही, मेरा मानना है कि इस सीजन में पंजाब किंग्स की जो टीम हमारे पास मौजूद है उसकी प्रतिभा से मेरा काम आसान हो जाएगा उन्होंने कहा ठहमारी टीम में कुछ अनुभवी खिलाडियों के साथ-साथ प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी भी है

पूर्व क्रिकेटर नोएल डेविड की मदद के लिए सामने आए मोहम्मद अजहरुद्दीन एचसीए उठाएगा इलाज का खर्चा

नई दिल्ली। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के अध्यक्ष और भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने सोमवार को पूर्व भारतीय खिलाड़ी नोएल डेविड से मुलाकात की और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया। अजहर ने कहा कि एचसीए न केवल उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखेगी बल्कि उनके किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी का पूरा खर्च भी उठाएगी। भारत के लिए 4 वनडे खेलने वाले 51 साल का यह पूर्व क्रिकेटर पिछले कुछ सालों से किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं और बीते बुधवार को उनकी सर्जरी हुई है। एचसीए की तरफ से एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। बयान में कहा गया है कि इस महीने जुबली

हिल्स स्थित अपोलो अस्पताल में डेविड की किडनी ट्रांसप्लांट की सर्जरी हुई है और धीरे-धीरे उनके हालत में सुधार हो रहा है। सोमवार को एचसीए अध्यक्ष अजहरुद्दीन ने डेविड से मुलाकात की है। बयान में ये भी कहा गया है कि स्वास्थ्य कारणों और डाक्टर द्वारा जारी किए गए सलाह के कारण ये मुलाकात पहले नहीं हो पाई थी। इस दौरान अजहरुद्दीन ने डाक्टर सुब्रमण्यम से मुलाकात की और आपरेशन के बाद डेविड के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इस दौरान अजहर ने अपोलो अस्पताल के सीओओ तेजस्वी राव से मुलाकात की और दोहराया कि एचसीए आपरेशन का खर्चा उठाएगा और डेविड के व्यक्तिगत खर्चे का भी ख्याल रखेगा। 51 साल के नोएल डेविड की बात करें तो उन्होंने अपना आखिरी वनडे मैच जुलाई 1997 में श्रीलंका के खिलाफ खेला था।

राशिफल

मेष-:आज आप बौद्धिक कार्यों से धन अर्जित करेंगे. भौतिक संसाधनों की ओर अधिक झुकाव के कारण इनमें वृद्धि हो सकती है। यात्रा की स्थिति सुखद और लाभकारी रहेगी।

वृष-:आज आपका किसी से तीखा झगड़ा हो सकता है. इस झगड़े से बचने की पूरी कोशिश करें, आपको बाद में पछताना पड़ सकता है। इस दौरान किया गया कोई भी झगड़ा भयानक रूप ले सकता है।

मिथुन-:आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा. आप अपने भविष्य के बारे में थोड़ा सोच सकते हैं। संबंध बेहतर रहेंगे। कार्यस्थल पर आपको सहयोग मिल सकता है।

कर्क-:आज ही भविष्य के लिए अपनी आर्थिक योजना बनाएं और अपनी योजना और लक्ष्य तय करने का प्रयास करें. कार्यस्थल पर विवाद खत्म होने से सुख शांति में वृद्धि होगी।

सिंह-:आज आपके परिवार में खुशियों की वृद्धि होगी. संतान की शिक्षा में उन्नति संभव है। माता-पिता का स्वास्थ्य आज बहुत अच्छा रहेगा। उनसे भी आपको पूरा सहयोग मिलने की उम्मीद है

कन्या-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आप अपनी सूझबूझ से सारे काम संभाल लेंगे। नौकरीपेशा लोगों को साथ काम करने वालों से मदद मिलेगी।

तुला-:आज आपको आर्थिक और पारिवारिक क्षेत्र में भी लाभ होने की संभावना है। आज मनपसंद खाना खाकर आपको आनंद मिलेगा।नौकरी में अधिक मेहनत करें।

वृश्चिक-: आज आपको व्यापार में सफलता मिलेगी. जो आपको गर्व और जोश से भर देगा। इस तरक्की को हासिल करने से आपको एहसास होगा कि आपने सही समय पर सही कदम उठाए है।

धनु-:आज अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगे. छात्रों को किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे अंक मिलेंगे। वैवाहिक जीवन में आप अच्छा महसूस करेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर-:आज आपको शुभ समाचार मिलेगा. सुबह व्यायाम करें, अतिरिक्त लाभ मिलेगा। आपका पार्टनर काफी नाराज़ रहेगा फिर भी अपने जीवन की सभी समस्याओं को नज़रअंदाज करते हुए।

कुंभ-:आज आपको कारोबार में सफलता मिलेगी. जो आपको गर्व और जोश से भर देगा। इस तरक्की को हासिल करने से आपको एहसास होगा कि आपने सही समय पर सही कदम उठाए

मीन-:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। परिवार वालों की सलाह आपके लिए अहम रहेगी। साथ ही आप उनकी हर संभव मदद भी करेंगे। आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होगी।

सम्पादकीय

डिजिटल विश्वविद्यालय से संभव होगा उच्च शिक्षा को सभी तक पहुंचाना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों शिक्षा क्षेत्र से संबंधित आयोजित एक वेबिनार में कहा कि नेशनल डिजिटल यूनिवर्सिटी भारत की शिक्षा व्यवस्था में अपनी तरह का एक अनोखा एवं अभूतपूर्व कदम है। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल या वर्चुअल शिक्षा दुनिया भर में सीखने-सिखाने के सबसे शक्तिशाली माध्यम के रूप में उभर रही है। ऐसे में यह आवश्यकता महसूस की जा रही थी कि देश में डिजिटल एजुकेशन के लिए एक बेहतर ढांचा तैयार किया जाए। इस दिशा में डिजिटल विश्वविद्यालय मील का पत्थर साबित होने वाला एक जरूरी और स्वाभाविक कदम है। यह कदम भारतीय शिक्षा पद्धति पर अमिट प्रभाव डालेगा। इससे एक ओर कक्षा में आने की बाध्यता खत्म होगी, वहीं दूसरी तरफ विश्वविद्यालयों और शैक्षिक संस्थाओं पर इंफ्रास्ट्रक्चर लोड बढ़ाने के दबाव से भी निजात मिलेगी। यह एक ऐसा विश्वविद्यालय होगा जो छात्रों को कई तरह के कोर्स और डिग्रियों की शिक्षा पूरी तरह आनलाइन उपलब्ध कराएगा। जरूरी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रेनिंग उपलब्ध कराने के लिए यह देश के अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम करेगा। यह विश्वविद्यालय एसईडीजी में नामांकन, संकाय विकास, रोजगार क्षमता बढ़ाने वाले कौशल, क्षेत्रीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री, औपचारिक और गैर-औपचारिक (पूर्व शिक्षा को मान्यता देना) शिक्षण आदि में मौजूद अंतर को समाप्त कर सकता है। डिजिटल विश्वविद्यालय शिक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभप्रद साबित होगा। इससे देश के नामी गिरामी विश्वविद्यालय और कालेजों को आनलाइन पढ़ाई करवाने की अनुमति से उन छात्रों को अध्ययन का मौका मिलेगा, जिन्हें कालेजों की उच्च कटआफ के कारण एडमिशन नहीं मिलता था। मालूम हो कि दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों में नामांकन पैमाना 99 प्रतिशत से भी ऊपर चला जाता है। देश के अन्य प्रतिष्ठित महाविद्यालयों की भी कमोबेश यही स्थिति है। ऐसे में आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े समाज के बच्चों के लिए 90 प्रतिशत का स्तर पाना ही मुश्किल होता है। पर्यावरण और यातायात की समस्या का समाधान : डिजिटल विश्वविद्यालय से पढ़ाई का सारा काम पेपरलेस होने से पर्यावरण प्रदूषण कम होगा। सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा को कहीं भी और कभी भी पहुंचाया जा सकेगा। इससे रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। डिजिटल विश्वविद्यालय से छात्र उन तमाम जानकारी और ज्ञान को घर बैठे हासिल कर सकेंगे जिसे जानने-समझने के लिए उन्हें बड़े शहरों में जाना पड़ता है। यह विश्वविद्यालय छात्रों को डिजिटल तरीकों से सीखने में सक्षम बनाएगा। इसमें फिजिकल क्लासेज की जगह वर्चुअल या आनलाइन क्लासेज होंगी। सभी प्रमुख भाषाओं में ई-कंटेंट तैयार करने, पढ़ाई व परीक्षा तथा परिणाम आनलाइन जारी होने से शिक्षा सस्ती और सुलभ हो जाएगी। इस पहल के जरिये देश भर में छात्रों की पढ़ाई के दौरान रहने व खाने पर आने वाले खर्चे में भारी कमी आएगी। सबसे बड़ी बात कि भविष्य में कोरोना जैसी महामारी या किसी भी संकट के चलते पढ़ाई को जारी रखा जा सकेगा और पढ़ाई में व्यवधान नहीं आएगा। शिक्षा कैलेंडर में छेड़छाड़ करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। डिजिटल यूनिवर्सिटी स्पोक एंड हब फार्मेट पर काम करेगी। हब के तौर पर इसका डिजिटल प्लेटफार्म होगा, जबकि इससे जुड़े विश्वविद्यालय स्पोक कहलाएंगे। इसमें आइआइटी, आइआइएम, केंद्रीय विश्वविद्यालयों से लेकर दुनिया के टाप रैंकिंग वाले विदेशी विश्वविद्यालय भी आकर डिजिटल पढ़ाई करवाएंगे। अब अहम प्रश्न ये है कि देश में पहले से दूरस्थ शिक्षा उपलब्ध कराने वाले संस्थान इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) जैसे संस्थानों और डिजिटल विश्वविद्यालय में क्या अंतर होगा? दरअसल डिस्टेंस लर्निंग/दूरस्थ शिक्षा उपलब्ध कराने वाले संस्थान आनलाइन कक्षाएं संचालित नहीं करते, बल्कि वे संबंधित पाठ्यक्रम का स्टडी मैटेरियल छात्र को डाक के माध्यम से उनके घर पर भेज देते हैं। वहीं डिजिटल लर्निंग या डिजिटल विश्वविद्यालय से छात्र घर बैठे ही आनलाइन पढ़ाई कर पाएंगे।

शीत युद्ध के बाद स्थापित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था महाशक्तियों के बुरे बर्ताव के चलते लगातार क्षीण होती जा रही

यक्रेन पर रूस के आक्रमण ने हमारे समक्ष एक तात्कालिक प्रश्न खड़ा कर दिया है कि हम किस प्रकार के विश्व में जी रहे हैं? वर्षों से 'वैश्विक अव्यवस्था' और 'नेतृत्वहीन दुनिया' की चर्चा होती रही है, परंतु अब यह वास्तव में दिखने लगी है। समकालीन दौर में एक धारणा यह भी बनी थी कि निरंतर बढ़ती परस्पर आर्थिक निर्भरता और आपस में लगातार जुड़ती दुनिया जैसी संकल्पनाओं के कारण 21वीं सदी में कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय टकराव नहीं होगा और छिटपुट घटनाओं को छोड़कर वैश्विक शांति कायम रहेगी, किंतु यूक्रेन के कीव और खारकीव जैसे घनी आबादी वाले शहरों में छिड़ी घमासान लड़ाई ने इन सभी धारणाओं को ध्वस्त कर दिया है। जिस हिंसक अंतरराष्ट्रीय इतिहास को बीती शताब्दियों की भूली-बिसरी घटनाएं मान लिया गया था, अब उनकी वापसी होती दिख रही। दबंगई की राजनीति और शक्ति आधारित भू-राजनीति का डंका बजता दिखाई दे रहा है। इसे रोकने का दारोमदार जिस संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था पर है, वह कई वर्षों से अपना भरोसा खोती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों की दुर्बलता लगातार जगजाहिर हो रही है। उनका मखौल उड़ाने में चीन, अमेरिका और रूस जैसे वीटो शक्ति से लैस देश ही सबसे आगे रहे है। अमेरिका और उसके यूरोपीय मित्र देशों ने 2011 में लीबिया में जो अवैध हमला कर तख्तापलट कराया, उसके दुष्परिणाम उत्तरी और पश्चिमी अफ्रीका में आज तक भुगते जा रहे हैं। रूस ने 2008 में जाजिऱ्या और फिर 2014 में क्रीमिया में जो सैन्य अभियान चलाए, उन्हें रोकने में भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय असमर्थ रहा। 2011 से लगभग एक दशक तक सीरिया और इराक के तथाकथित 'गृहयुद्ध' में पश्चिमी शक्तियां और रूस, दोनों ने अलग-अलग स्थानीय लड़ाकों की सहायता की और इस्लामिक स्टेट यानी आइएस के खात्मे के नाम पर गैरकानूनी हस्तक्षेप किए। 2015 से चल रहे यमन के छद्म युद्ध में भी अमेरिका, रूस और उनके साथी देशों ने वहां विनाशकारी खेल खेला है। इधर एशिया में चीन ने अपनी ताकत का बेजा लाभ उठाकर दक्षिणी चीन सागर में स्थित छोटे देशों के हिस्सों को हड़प लिया और 2016 में 'पर्मानेंट कोर्ट आफ आर्बिट्रेशन' के निणय्क की खुलेआम अवहेलना की। चीन ने कोविड महामारी के बावजूद 2020 में भारत पर पूर्वी लद्दाख में अतिक्रमण करने में कोई संकोच नहीं किया, जबकि ऐसा कदम दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय समझौतों का खुला उल्लंघन था। ये सभी उदाहरण यही बताते हैं कि शीत युद्ध के बाद स्थापित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था महाशक्तियों के बुरे बर्ताव और कपट के चलते बीते एक दशक से क्षीण होती जा रही है। जो हश्र यूक्रेन का हुआ, वह ताबूत में आखिरी कील के समान है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यहां परोक्ष रूप से या छिपकर एक बड़े देश यानी रूस ने छोटे देश अर्थात यूक्रेन

पर आघात ही नहीं किया, बल्कि खुलेआम तख्तापलट और कथित निःशस्त्रीकरण की मंशा से हमला किया। अब तो वह परमाणु हमले की भी धमकी दे रहा है। दरअसल महाशक्तियों के बीच सदियों से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता और एक दूसरे पर हावी होने की राष्ट्रवादी भूख ही इस लड़खड़ाती अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का मूल कारण है। यही इसकी पृष्ठभूमि है। हाल के कुछ वर्षों में चीन और रूस ने स्वयं को अमेरिका की बराबरी वाला दर्जा हासिल करने के मकसद से अति राष्ट्रवाद का सहारा लिया है। हालांकि रूस 'व्यापक राष्ट्रीय शक्ति' वाले देशों के वरीयता क्रम में चीन से पीछे है और अमेरिका से बराबरी करने के काबिल नहीं रहा, फिर भी उसने और उसके साथ ही चीन के नेताओं ने कथित राष्ट्रीय पुनर्जागरण की अवधारणा का 'सैन्यीकरण' किया है। दोनों अपने पुराने गौरव एवं ऐतिहासिक शिकायतों का हवाला देते हैं और अपने पड़ोसी देशों के इलाकों को अपना बताकर उन पर नियंत्रण हासिल करना चाहते हैं। दूसरी ओर अमेरिका किसी भी हाल में अपनी वैश्विक प्रधानता को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और रूस या चीन के क्षेत्रीय दावों को स्वीकार नहीं करना चाहता। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कम से कम 2007 से नाटो गठबंधन के पूर्वी विस्तार के विरुद्ध शिकायत कर रहे थे, लेकिन अमेरिका ने उनकी एक न सुनी। नाटो के नए सदस्य बढ़ते गए और रूस की पश्चिमी सीमाओं पर अत्याधुनिक हथियार एवं सेनाएं तैनात करते गए। इस दबाव के खिलाफ रूस की शिकायत जायज थी, परंतु यूक्रेन जैसे संप्रभु देश पर सीधा आक्रमण करना और उसे ऐतिहासिक रूसी साम्राज्य का अभिनन्न अंग बताकर उसे अपनी कठपुतली बनाने की मंशा प्रकट करना कानूनी और नैतिक रूप से अनुचित है। जब बाहुबली आपे से बाहर हो जाएं तो नतीजा विनाश के रूप में ही निकलता है। यूक्रेन तो तबाह हो ही रहा है, लेकिन उस पर हमला खुद रूस को आर्थिक और सामरिक रूप से भारी पड़ सकता है। अब यह तय है कि यदि चीन ताइवान अथवा अन्य किसी देश पर आधिपत्य का प्रयास करेगा तो उसे भी प्रतिरोध का झटका मिलेगा। इसके बाद भी फिलहाल अन्य देशों के खिलाफ बल प्रयोग की बढ़ती प्रवृत्ति को नियंत्रित करना असंभव सा लगता है। आखिर जिसकी लाठी उसकी भैंस वाले इस दौर में वे देश क्या करें, जो बड़े देशों के निशाने पर हैं? शीतयुद्ध के दौरान बड़ी शक्तियों के साये में रहते हुए छोटे देशों को एक प्रकार की तटस्थता अपनाना ही शायद दीर्घकालिक दृष्टि से तार्किक होगा। रही बात भारत जैसी उभरती शक्तियों की तो उन्हें ऐसी रणनीति चुननी चाहिए, जिससे वे न केवल संभावित खतरे वाले देशों से निपटने के लिए अपनी सैन्य क्षमता में वृद्धि कर सकें, बल्कि ऐसे देशों के दुश्मनों से दोस्ती मजबूत कर अपना सशक्त गठबंधन बना सकें। याद रहे कि विश्व में बढ़ते एक प्रकार के जंगलराज से आत्मिर्भरता और गुटबंदी का मिश्रण ही मुक्ति दिलाने में सहायक सिद्ध हो सकेगा।

वैचारिक असहिष्णुता का नया अध्याय, जेएनयू सरीखे विश्वविद्यालय विचारधारा विशेष की किलेबंदी के स्थान नहीं हो सकते

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय यानी जेएनयू की नई कुलपति के रूप में प्रोफेसर शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित की नियुक्ति के विरोध में उठ रही आवाजें शांत होने का नाम नहीं ले रही हैं। शांतिश्री देश के इस प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान की कुलपति के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला शिक्षाविद् हैं। वह इसी विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा भी हैं। इसलिए भी यह उपलब्धि विशेष रूप से स्वागतयोग्य है, परंतु उनकी नियुक्ति अधिसंख्य लेफ्ट-लिबरल बुद्धिजीवियों, कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं और अभिजात्यवादी नेताओं को रास नहीं आ रही है। प्रोफेसर शांतिश्री ने कुलपति नामित किए जाने के बाद अपनी कार्यशैली, प्राथमिकताओं और भावी योजनाओं के बारे में मीडिया में एक बयान जारी किया। मंत्री न बनाए जाने के बाद से मोदी सरकार से खफा चल रहे वरुण गांधी ने इसमें व्याकरण की अशुद्धियों को रेखांकित करते हुए उनके अंग्रेजी भाषा ज्ञान पर सवाल खड़े किए और उसे 'निरक्षरता का प्रदर्शन' करार दिया। इसी तरह कथित किसान नेता योगेंद्र यादव ने उनके ऊपर कटाक्ष किए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी जेएनयू की नई कुलपति शांतिश्री को अंग्रेजी ट्यूशन की जरूरत होने की बात कहते हुए उनका मखौल उड़ाया। यह मंडली उनके बयान का पोस्टमार्टम करते समय अंग्रेजी भाषा और व्याकरण की जगह उनके भावों, विचारों और दृष्टिकोण पर ध्यान देती तो उनका विरोध अधिक तर्कसंगत और औचित्यपूर्ण होता। संभवतः विरोध की झोंक में वे यह भूल गए कि भाषा माध्यम मात्र है, मूल नहीं। माध्यम मंतव्य का स्थानापनन्न नहीं हो सकता। भाव से अधिक भाषा पर बलाघात श्रेष्ठता ग्रंथि का परिमाण है। सेंट पीटर्सबर्ग में जन्मीं शांतिश्री ने जेएनयू के अलावा प्रेसीडेंसी कालेज, चेनन्ई और कैलिफोनिऱ्या स्टेट यूनिवर्सिटी से अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त की है। उन्हें हिंदी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कनन्ड़, मराठी और कोंकड़ी आदि आधा दर्जन से अधिक भारतीय भाषाओं का ज्ञान है। इस नियुक्ति से पहले वह पुणे स्थित सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय की कुलपति भी रही हैं। विचारणीय बात यह है कि इतनी पढ़ी-लिखी और प्रबुद्ध प्रोफेसर शांतिश्री का विरोध क्यों किया जा रहा है और वह भी तब जब वह इस विश्वविद्यालय की पहली महिला कुलपति हैं? वास्तव में विरोध प्रोफेसर शांतिश्री का नहीं किया जा रहा है, बल्कि उस विचारधारा का किया जा रहा है, जिससे वह जुड़ी हुई हैं। उनके विचारों से यह स्पष्ट है कि वह सनातन संस्कृति और राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रति आस्थावान हैं। जेएनयू अपने स्थापना-काल से ही वामपंथी विचारधारा का गढ़ रहा है। यह उल्लेखनीय है कि जेएनयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार ने अभूतपूर्व वैचारिक संघर्ष वाले अपने छह वर्ष के कार्यकाल में इस वामपंथी वर्चस्व को संतुलित करने की कोशिश की है। अब वहां राष्ट्रवादी छात्रों, शिक्षकों और विचारों के लिए भी कुछ गुंजाइश बनी है। शांतिश्री द्वारा भी इसे आगे बढ़ाए जाने की संभावना है। इसीलिए उनका विरोध हो रहा है। लगता है उनके विरोधियों उन्हें जेएनयू के अकादमिक स्तर के गिरने की नहीं, बल्कि 'लाल किले' यानी वामपंथी गढ़ के ढहने की आशंका सता रही है। देश में जेएनयू की तरह अन्य कई ऐसे विश्वविद्यालय हैं, जहां विचारधारा विशेष का वर्चस्व है। विश्वविद्यालय विचारधारा विशेष की किलेबंदी के स्थान नहीं हो सकते और न ही उन्हें होना चाहिए। एक समय यह स्थिति थी कि जेएनयू में वामपंथी विचार वाले ही नियुक्त हो सकते थे। जेएनयू भारत में ही है और भारतवासियों की खून-पसीने की कमाई से संचालित होता है। फिर इसके परिसर में भारत और भारत की संस्कृति की बात करना अमान्य कैसे हो सकता है? भारत के टुकड़े करने और कश्मीर की आजादी के नारे लगाने वालों के बरक्स भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाने वालों का प्रवेश निषेध क्यों? यदि जेएनयू में मार्क्स, माओ और चे ग्वेरा के साथ-साथ स्वामी विवेकानंद और पंडित दीनदयाल उपाध्याय का भी नाम सुनाई पड? लगा है तो परेशानी क्यों? क्या विश्वविद्यालयों में हर तरह की विचारधारा को स्थान नहीं मिलना चाहिए? दरअसल विरोध शांतिश्री का नहीं, बल्कि भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों का है। सनातन संस्कृति और भारतीय जीवन-मूल्यों और दर्शन का है। प्रोफेसर शांतिश्री के विरोध की दूसरी वजह दलितों-पिछड़ों और महिलाओं की भागीदारी को सीमित करने वाली सामंतवादी-अभिजात्यवादी सोच है। यही सोच महिलाओं के समुचित प्रतिनिधित्व की राह का भी रोड़ा है। महिला सशक्तीकरण का ढोल बजाने वालों की महिला विरोधी मानसिकता ऐसे प्रकरणों से गाहे-बगाहे उजागर हो जाती है। यह औपनिवेशिक और अभिजात्यवादी मानसिकता ही है, जो अंग्रेजी भाषा के ज्ञान को ही योग्यता का चरम मानदंड मानती है। इसी तथाकथित योग्यता की आड़ में वंचित वर्गों का तिरस्कार, बहिष्कार और शिकार करती है। यह पश्चिमप्रेरित कुलीनता ही बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर द्वारा प्रतिपादित सामाजिक न्याय, समता, समरसता और समान अवसरों की संकल्पना को सिरे नहीं चढ़? देती। भारत की शिक्षा-व्यवस्था आजादी के 75 साल बीत जाने के बाद भी अंग्रेजी चश्मा चढ़ाए ऐसे मैकाले-पुत्रों की गिरफ्त में है। शांतिश्री ने अपने बयान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करते हुए भारत-केंद्रित चिंतन और पाठ को स्थापित करने का संकल्प व्यक्त किया है।

वैश्विक व्यवस्था को लोकतांत्रिक बनाए रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र में सुधारों को टालना वैश्विक शांति के हित में नहीं है

रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) अपनी भूमिका को निभा पाने में असफल प्रतीत हो रहा है। विगत वर्षों में ऐसी कई अंतरराष्ट्रीय घटनाएं हुईं जिसने इस वैश्विक संस्था की प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा किया है। इस वैश्विक संकट में सुरक्षा परिषद की असफलता 'विश्व सरकार' की संकल्पना को लगातार कमजोर कर रही है, जहां महाशक्तियां स्वयं नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दे रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में यह भी त्रुटिपूर्ण है कि 77 वर्ष पूर्व हुए विश्व युद्ध के विजेता देशों को सुरक्षा परिषद में वीटो जैसी विशेष शक्तियां प्राप्त है, जिसका उपयोग कम और दुरुपयोग अधिक हुआ है। आज भी संयुक्त राष्ट्र विश्व युद्ध के बाद की भू-राजनीतिक संकीर्णताओं से बाहर नहीं निकल पाया है। सुरक्षा परिषद 21वीं सदी में भी 'शीत-युद्ध सिंड्रोम' से ग्रस्त दिख रहा है। यही वजह है कि पिछले कई दशकों से संयुक्त राष्ट्र की संरचना में बदलाव की मांग की जा रही है, परंतु चीन तथा अमेरिका के परस्पर टकराव के कारण सुरक्षा परिषद का सुधार वर्षों से लंबित है। विगत वर्षों में देखा जाए तो वीटो प्राप्त महाशक्तियों ने ही नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाया है। चीन एक तरफ यूक्रेन के मामले में क्षेत्रीय अखंडता तथा संप्रभुता के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुसार व्यवस्था को चलाने की बात करता है, दूसरी तरफ सामुद्रिक कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अनुबंध-सात के तहत गठित मध्यस्थता न्यायाधिकरण को ही मान्यता नहीं देता। दक्षिण चीन सागर में चीन की विस्तारवादी नीति ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में युद्ध के हालात पैदा कर दिए हैं। आतंकवाद और मानवाधिकार हनन जैसे विषयों पर भी सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की आपसी खींचतान ने इन वैश्विक चिंताओं को बढ़ा दिया है। विदित है कि आतंकी मसूद अजहर के मामले में सुरक्षा परिषद के चार स्थायी सदस्य उसे वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के समर्थन में थे, लेकिन चीन इस फैसले के विरोध में था और उसने वीटो लगा दिया। हालांकि बाद में चीन द्वारा मसूद अजहर को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया। चीन और पाकिस्तान द्वारा अपने अल्पसंख्यक नागरिकों पर लगातार अत्याचार किया जा रहा है। चीन में दमन का शिकार होने वालों में तिब्बती, ईसाई, उइगर मुस्लिम तथा हांगकांग में नागरिक अधिकारों के लिए लड? वाले लोग शामिल हैं। वहीं पाकिस्तान में भी हिंदुओं तथा सिखों पर लगातार अत्याचार हो रहे है। गिलगित-बाल्टिस्तान एवं बलूचिस्तान प्रांत में मानवाधिकार हनन का मामला तो अब अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है। पाकिस्तान में हो रहे अल्पसंख्यकों के उत्पीड? को ह्युमन राइट्स वाच के अनुसार 'महामारी' की संज्ञा दी गई है। ऐसी स्थिति में भी चीन और पकिस्तान का संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार परिषद में निर्वाचित होना तथा सुरक्षा परिषद की चुप्पी संयुक्त राष्ट्र के भविष्य के लिए चिंताजनक है। जाहिर है संयुक्त राष्ट्र में कई स्तरों पर सुधार की आवश्यकता है। सदस्य देशों की बढ़ती संख्या के अनुसार इसके सुरक्षा परिषद का विस्तार न करना इसके व्यापक उद्देश्यों को प्रभावित कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के प्रारंभिक वर्षों में इसकी सदस्य संख्या 113 थी, जो आज बढ़कर 193 हो चुकी है, परंतु आज भी सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य सिर्फ पांच है जिससे विश्व व्यवस्था असंतुलित हो चुकी है। एक तरफ जहां यूरोप के दो देशों को सुरक्षा परिषद में स्थान मिला है, वहीं न तो भारत जैसे प्रमुख देश को स्थान मिला है, जिसने संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सर्वाधिक योगदान दिया है, न ही अफ्रीका का कोई भी देश सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है। जबकि संयुक्त राष्ट्र का 50 प्रतिशत से अधिक कार्य अकेले अफ्रीकी देशों से संबंधित है। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में भारत, जापान, जर्मनी, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका तथा आस्ट्रेलिया जैसे देशों की भूमिका महत्वपूर्ण है। आवश्यक है कि इन देशों को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाया जाए। भारत आतंकवाद, क्षेत्रीय शांति, जलवायु परिवर्तन, हरित ऊर्जा एवं आर्थिक सहयोग जैसे वैश्विक मुद्दे पर भारत प्रमुख रूप से नेतृत्वकारी भूमिका में है। साथ ही बहुपक्षवाद में सक्रिय भागीदारी करते हुए विश्व व्यवस्था को बहुध्रुवीय नेतृत्व के अंतर्गत बनाए रखना चाहता है। गौरतलब है कि जिस यूएनएससी को विश्व में शांति तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए स्थापित किया गया था वह अपने पांच स्थायी सदस्यों के निहित स्वार्थ की भेंट चढ़ गया। 193 सदस्यीय संस्था में पांच देशों के पास 'वीटो' के नाम पर विशेष शक्ति होना संयुक्त राष्ट्र के लोकतांत्रिक तथा समावेशी चरित्र पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। इसलिए 'वीटो' जैसी निर्णायक व्यवस्था में सुधार लाना चाहिए, अन्यथा इसे समाप्त कर देना चाहिए। चाहे रूस द्वारा यूक्रेन पर एकतरफा हमला हो या अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हो या चीन द्वारा लगातार अपने पड़ोसी देशों की संप्रभुता को चुनौती देना हो या जलवायु परिवर्तन के कारण उभरे खतरे पर महाशक्तियों की मनमानी हो, संयुक्त राष्ट्र का इन सभी मुद्दों पर असहाय दिखना कहीं खतरनाक है। प्रश्न सिर्फ महासभा की कार्यप्रणाली पर नहीं है, अपितु उसके प्रमुख अंग सुरक्षा परिषद, विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं मानवाधिकार परिषद पर भी लगातार उठ रहे हैं। वैश्विक व्यवस्था को न्यायपूर्ण तथा लोकतांत्रिक बनाए रखने के लिए इन संस्थाओं में सुधार को लंबे समय तक टाला जाना वैश्विक शांति के हित में नहीं है।

समावेशी शिक्षा : सवाल यह भी कि क्या डिजिटल प्रारूप ने शिक्षा को अधिक समावेशी बनाया है

पारंपरिक शिक्षा के मुकाबले आनलाइन शिक्षा व्यवस्था के कुछ स्पष्ट फायदे और समस्याएं भी है, जिन्हें समझना जरूरी है। आनलाइन पढ़ाई स्कूल-कालेज की कक्षाओं में जाकर किए जाने वाले अध्ययन का जगह नहीं ले सकती। स्कूल-कालेज जाने वाले छात्र केवल पठन-पाठन के उपयुक्त माहौल से ही दो-चार नहीं होते, बल्कि वे व्यक्तित्व विकास के उन तौर-तरीकों से भी रूबरू होते हैं, जो घर-परिवार में रहकर हासिल नहीं किए जा सकते। अब यह जाहिर हो चुका है कि आनलाइन अध्ययन परंपरागत पठन-पाठन का विकल्प नहीं बन सकता और अधिक से अधिक उसमें सहायक ही बन सकता है। एक बात और, डिजिटल विश्वविद्यालय का सपना तभी साकार होगा, जब संसाधनों के अभाव को दूर किया जाएगा। देश में कितने बच्चों और युवाओं के पास आनलाइन पढ़ाई के लिए मोबाइल या टीवी की सुविधा उपलब्ध है, इसका उत्तर केंद्र सरकार के पास भी नहीं है। हालांकि साल 2017-18 के नेशनल सेंपल सर्वेक्षण के आंकड़ों के मुताबिक, देश के केवल 15 प्रतिशत ग्रामीण घरों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध थी, जबकि शहरी घरों के मामले में यह दर 42 प्रतिशत थी। पिछले कुछ वर्षों में ई-लर्निंग प्रणाली की ओर हुए बदलाव ने एक नई बहस को जन्म दिया है कि क्या इस बदलाव से छात्रों को सीखने में मदद मिली है या इससे उनके विकास, सामाजिक और भावनात्मक कल्याण में बाधा उत्पनन्न हुई है तथा इससे भी अहम सवाल यह है कि क्या यह नया माध्यम सचमुच में शिक्षा के सभी आयामों की पूर्ति करता है या नहीं। समावेशी शिक्षा : सवाल यह भी कि क्या डिजिटल प्रारूप ने शिक्षा को अधिक समावेशी बनाया है या फिर डिजिटल डिवाइड को और गहरा किया है? शहरी क्षेत्रों और उच्च एवं उच्च मध्यम वर्ग के परिवारों में छात्र एवं शिक्षक डिजिटल शिक्षा से भलीभांति परिचित हैं और तुलनात्मक रूप से अधिक आय की वजह से परिवार शिक्षा के लिए ई-लर्निंग उपकरणों को आसानी से खरीद सकते हैं तथा विभिनन्न आनलाइन प्लेटफार्म का खर्च भी वहन कर सकते है। लेकिन दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों और गरीब परिवारों में यह स्थिति लगभग विपरीत है। ज्यादातर मामलों में परिवार में केवल एक ही सदस्य के पास स्मार्टफोन होता है, इस प्रकार छात्रों को आनलाइन कक्षा में भाग लेने में बहुत कठिनाई आ रही है। अच्छी बात यह है कि केंद्र सरकार ने इस चिंता को दूर करने के लिए वर्ष 2026 तक देश भर के विभिनन्न विश्वविद्यालयों में पढ़? वाले लगभग 4.06 करोड़ छात्रों (देश की कुल छात्र संख्या का लगभग 40 प्रतिशत) को लैपटाप और टैबलेट प्रदान करने की भी योजना बनाई है तथा इस कार्य के लिए कुल 60,900 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। इसी तरह राज्य सरकारों को भी ये प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए कि वे आगे चलकर सभी शिक्षण संस्थानों को ब्राडबैंड सेवा और आनलाइन शिक्षा के लिए उचित यंत्र मुहैया कराएं। इसमें कोई दो राय नहीं कि डिजिटल शिक्षा का भविष्य बहुत आशाजनक लग रहा है और आबादी के बड़े हिस्से तक इसकी पहुंच भी है। गूगल और केपीएमजी की एक रिपोर्ट बताती है कि देश में आनलाइन शिक्षा बाजार 52 प्रतिशत सालाना की दर से तेजी से विस्तार कर रहा है। अंत में कोरोना महामारी के दौर में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए डिजिटल विश्वविद्यालय के विचार को एक क्रांतिकारी कदम कहा जा सकता है। अब वक्त आ गया है कि सरकार आनलाइन शिक्षा के माध्यम से वर्तमान आवश्यकता को पूरा करने और महामारी से उत्पन्न शिक्षा अंतर को पाटने के लिए सार्वजनिक संस्थानों को मजबूत करने के लिए और बड़े कदम उठाए। डिजिटल शिक्षा की राह में आने वाली चुनौतियां : डिजिटल शिक्षा के कई लाभ को देखते हुए इसे बेहतर बनाने के लिए सरकार ने कई प्रयास किए गए है, इसके बावजूद इसकी राह में अभी भी कई चुनौतियां विद्यमान हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहारी डीएनए पर कांग्रेस की आपत्ति तेलंगाना सीएम का नाम लेकर चन्नी से एक कदम आगे निकले अध्यक्ष

पटना। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बाद अब तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष ने बिहार के नाम पर नया विवाद खड़ा कर दिया है। ए रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना पर बिहारियों का राज होने की बात कहते हुए सीएम चंद्रशेखर राव के डीएनए को बिहारी बताया है। जारी बयान में रेड्डी ने कहा कि चंद्रशेखर राव के पूर्वज बिहार से हैं, जिसे वह खुद स्वीकार कर चुके हैं। क्षेत्रीयता के मसले पर रेड्डी ने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री बिहार से आने वाले प्रशांत किशोर की मदद लेकर फैसले ले रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने पंजाब में पदास्थापित बिहार के अधिकारियों के नाम लेकर भी आपत्ति जताई है। बता दें कि हाल ही में चुनावी सभा के दौरान कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की मौजूदगी में सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा था कि यूपी-बिहार के भाइयों को पंजाब में घुसने नहीं देंगे। ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि मुख्य सचिव सोमेश कुमार और कार्यवाहक डीजीपी अंजनी कुमार जैसे बिहार से आने वाले अधिकारियों के साथ मिलकर के चंद्रशेखर राव तेलंगाना की सरकार को चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर प्रशासन प्रमुख सचिव अरविंद कुमार, संदीप कुमार सुल्तानिया समेत राज्य प्रशासन में बड़े अधिकारियों का हिस्सा बिहार से है। कांग्रेस अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी ने बिहार की सियासत पर भी हमला किया। कहा कि बिहार की राजनीति तलवार के दम पर चलती है। इलेक्शन के दौरान राज्य में हिंसा होती है। उन्होंने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था लचर है। महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। रात में महिलाओं का घर से बाहर निकलना खतरे से खाली नहीं है। रेवंत ने सवाल भी पूछा कि लोग क्या चाहते हैं कि बलिदानों के बाद मिले तेलंगाना पर बिहार बैच राज करे गौरतलब है कि इसके पहले पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के 'बिहारी भाइयों' वाले बयान पर राजनीति गरमा गई थी।

चुनाव 2022 फोटो वीडियो देश राज्य मनोरंजन करियर क्रिकेट विदेश धर्म बिजनेस गैजेट्स ऑटो लाइफस्टाइल

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर-39 स्थित राजकीय सनतकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र और छात्रा इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन विभिनन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। निठारी में छात्र इकाई के शिविर में सर्वप्रथम मेडिटेशन कराया गया व स्वयं सेविकाओं ने मोरना में महिला सशक्तिकरण व कानूनी प्रावधान विषय पर नुक्कड़ नाटक किया। लोगों को महिला अपराध और हिंसा के विरुद्ध , महिला स्वावलंबन के लिए जागरूक किया। द्वितीय सत्र में छेड़खानी व घरेलू हिंसा विषय पर शिक्षिका डॉ. अनीता मिश्रा ने व्याख्यान दिया। छात्रा काजल शर्मा, रितु, अंजलि ,पूजा, प्रतीक्षा ,नेहा सिंह, गौरी ,रितिका आदि स्वयं सेविकाओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए। छात्रा वर्ग में ऊंची कूद प्रतियोगिता हुई नोएडा सेक्टर-39 डिग्री कॉलेज में विभिनन क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। ऊंची कूद छात्रा वर्ग में काजल शर्मा, निखिल व सरिता क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही। लंबी कूद प्रतियोगिता छात्रा वर्ग में काजल शर्मा, प्रियंका व शिल्पी भरद्वाज क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं। जैवलिन थ्रो छात्रा वर्ग प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर प्रियंका, मुस्कान यादव, शिल्पी भरद्वाज रहे। शॉट पुट छात्रा वर्ग में काजल शर्मा, शीतल व मुस्कान यादव क्रमश प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। डिस्कस थ्रो छात्रा वर्ग में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर क्रमशः प्रियंका, काजल कश्यप व शीतल रही। वहीं, छात्र वर्ग में ऊंची कूद में प्रमोद, राबिन यादव, बब्बल सिंह क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। लंबी कूद में अभिषेक राना, बब्बल सिंह, दीपक ने क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र वर्ग जैवलिन थ्रो में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर क्रमशः राबिन, प्रमोद व विवेक ठाकुर रहे। शॉट पुट छात्र वर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर क्रमशः राबिन, सचिन व गौरव पाठक रहे। डिस्कस थ्रो छात्र वर्ग में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर क्रमशः सचिन, राबिन यादव व प्रमोद रहे।

श्रीनगर के सनतनगर इलाके से लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी गिरफ्तार, एके-47 की 12 मैगजीन मिली

श्रीनगर। श्रीनगर में आतंकवादियों पर कसते सुरक्षाबलों के शिकंजे ने उन्हें सकते में डाल दिया है। कश्मीर में शांति स्थापित करने के लिए ये सुरक्षाकर्मी रात

दिन राष्ट्र विरोधी तत्वों पर नजर रखे हुए हैं। यही नहीं कश्मीर के लोग भी अब सुरक्षाबलों का साथ देते नजर आ रहे हैं। सुरक्षाबलों ने एक बार फिर अपने विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर श्रीनगर के सनतनगर इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया और वहां छिपे लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी को गिरफ्तार कर लिया। यही नहीं उसकी जब तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एके-47 की 12 मैगजीन व अन्य साजोसामान भी बरामद किया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि समय पर की गई इस कार्रवाई ने एक बड़ी घटना को टाल दिया। ये आतंकवादी किसी हमले को अंजाम देने के इरादे से ही इलाके में छिपा हुआ था। आपको बता दें कि पुलिस गिरफ्तार आतंकी से संगठन से संबंधित जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। कश्मीर में संगठन की क्या गतिविधियां है, वह श्रीनगर में किस इरादे से आया था, इस बारे में पूछा जा रहा है। आपको जानकारी हो कि गत सोमवार को श्रीनगर के बटमालू इलाके में शाम संदिग्ध आतंकवादियों ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एक पुलिस इंस्पेक्टर को गोली मारकर घायल कर दिया था। बंदूकधारियों ने इंस्पेक्टर शेख फिरदौस पर उस समय गोली चलाई जब वह मस्जिद से लौट रहा था। गोली उनके गले में लगी है। हमले के तुरंत बाद हमलावर वहां से फरार हो गए जबकि घायल इंस्पेक्टर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं की रोकथाम के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस व सुरक्षाबलों ने अपना शिकंजा कसा है। यही नहीं श्रीनगर व उसके बाहरी इलाकों में अपने सूचना तंत्रों को भी मजबूत बनाया है। फरवरी माह में ही पुलिस ने एक दर्जन से अधिक ओवर ग्राउंड वर्करों को भारी मात्रा में हथियार व गोलाबारूद के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में इन अभियानों में और तेजी लाई जाएगी।

बिरला इंस्टीट्यूट ने एमबीए पाठ्यक्रम में शामिल किए नए विषय

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। नोएडा सेक्टर-1 स्थित बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनेलॉजी (बीआईटी) ने एमबीए के पाठ्यक्रम में दो नए विषयों को शामिल किया है। संस्थान के निदेशक प्रो. डॉ. एसएल गुप्ता ने सोमवार को प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि एमबीए पाठ्यक्रम में बिजनेस एनालिटिक्स एवं आईटी एवं ऑपरेशन्स मैनेजमेंट को जोड़ा गया है। संस्थान ने यह कदम औद्योगिक जगत की बदलती सूरत और मांग को ध्यान में रखते उठाया है। डॉ. अरुण मित्तल ने कहा कि औद्योगिक जगत में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। व्यावसायिक जगत नई तकनीक एवं शोध एवं अनुसंधान पर निर्भर होता जा रहा है। देखा गया है कि आईटी के विषयों को पढ़ने वाले एमबीए छात्रों की मांग काफी बढ़ी है। ऐसे में उन्होंने शैक्षिक गुणवत्ता में बदलाव का कदम उठाया है। विद्यार्थी उद्यम प्रबंध, और डिजिटल मार्केटिंग और एनालिटिक्स जैसे नए विषय पढ़ रहे हैं। संस्थान विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर शोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा की संस्थान में एमबीए के लिए प्रवेश परीक्षा प्रारंभ हो चुकी है। जिसकी समस्त जानकारी संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। प्रेसवार्ता के दौरान प्रोड रचना प्रतीक, ललित मोहन भट्ट, अमित निंद्राजोग, डॉ. अरुण मित्तल एवं आदि मौजूद रहे।

हावड़ा- खड़गपुर के बीच नलपुर स्टेशन पर स्टापेज की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने किया रेल अवरोध, तीन घंटे बाधित रही ट्रेन सेवा

कोलकाता। दक्षिण पूर्व रेलवे अंतर्गत हावड़ा- खड़गपुर शाखा में नलपुर स्टेशन के नजदीक सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोगों ने

स्टापेज की मांग को लेकर मंगलवार सुबह पटरी पर बैठ कर प्रदर्शन करते हुए रेल सेवा को अवरुद्ध कर दिया। इसके चलते इस खंड में ट्रेनों के परिचालन पर व्यापक असर पड़ा है और सुबह के समय घंटों रेल सेवा बाधित रही। प्रदर्शनकारी नलपुर स्टेशन पर लोकल गैलोपिन ट्रेनों के स्टापेज की मांग कर रहे थे। दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) के एस आनंद ने दैनिक जागरण से फोन पर बातचीत में बताया कि स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के चलते सुबह 6:25 बजे से 9:05 बजे तक करीब तीन घंटे तक इस खंड में ट्रेन सेवा बाधित रही। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के कारण अप और डाउन की कई लोकल, मेल- एक्सप्रेस व दूरगामी ट्रेनें व मालगाड़ी नलपुर सहित आसपास के स्टेशनों पर जहां-तहां खड़ी रही। उन्होंने बताया कि सुबह के समय रेल अवरोध होने से इसका परिचालन पर व्यापक असर पड़ा है। यात्रियों को भी इसके चलते सुविधाओं का सामना करना पड़ा है। उन्होंने बताया कि रेल अधिकारियों व आरपीएफ द्वारा काफी समझाने बुझाने के बाद प्रदर्शनकारियों ने सुबह 9:05 बजे आंदोलन वापस लिया।इसके बाद से इस खंड में ट्रेन सेवा फिर से शुरू हो गई है। हालांकि काफी देर तक ट्रेन सेवा बाधित होने के चलते रेल सेवा को सामान्य बनाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और इसके चलते कई ट्रेनें लेट से चल रही है।

विधवा महिला संग संबंध बढ़ने पर उसके प्रेमी ने की थी स्कूल वैन चालक की हत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। मुर्शदपुर गांव से एक सप्ताह पूर्व लापता हुए स्कूल वैन चालक धर्मपाल की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या के मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि पकड़े गए मुख्य आरोपी की प्रेमिका से धर्मपाल की नजदीकियां थीं जिसके चलते उसने हत्या की वारदात को अंजाम दिया। मुर्शदपुर गांव का रहने वाला 32 वर्षीय धर्मपाल परिवार के साथ रहता था। वह स्कूल की वैन चलाता था। परिजनों ने बताया कि 17 फरवरी को धर्मपाल संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। परिजनों ने उसे इधर-उधर काफी तलाश किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इस पर 21 फरवरी को धर्मपाल के भाई ओमप्रकाश ने सेक्टर इकोटेक वन थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। इसके बाद भी धर्मपाल का सुराग नहीं लगा। सिरसा गांव के जंगल में गुरुवार की शाम धर्मपाल का शव सड़ी गली हालत में पड़ा मिला था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। परिजनों व ग्रामीणों ने एक महिला और एक युवक पर शक जाहिर किया था। उन्होंने रविवार को पुलिस से आरोपियों पर कार्रवाई की गुहार लगाई थी। पुलिस ने हत्या का खुलासा किया है। ग्रेटर नोएडा के डीसीपी अमित कुमार ने बताया कि इस मामले में आरोपी रंजीत और उसके साथी प्रशांत को गिरफ्तार किया गया है। रंजीत मूलरूप से बुलंदशहर का रहने वाला है। डीसीपी ने बताया कि धर्मपाल की रंजीत के घर में किराये पर रहने वाली विधवा महिला से निकटता थी। रंजीत के भी उस महिला से संबंध थे। रंजीत ने धर्मपाल को रास्ते से हटाने के लिए उसकी हत्या की साजिश रची थी। साजिश के मुताबिक, रंजीत ने 17 फरवरी को धर्मपाल को फोन कर अपने पास बुलाया था। जिसके बाद दोनों ने कासना में एक साथ बैठकर शराब पी। इसके बाद आरोपी रंजीत ने अपने साथी प्रशांत के साथ मिलकर धर्मपाल की गला दबाकर हत्या कर दी थी।

मोबाइल वैन से टीके लगाने की शुरुआत

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। स्वास्थ्य विभाग ने मोबाइल वैन के माध्यम से कोरोनारोधी टीका लगाने की शुरुआत सोमवार से की। पहले दिन दादरी के कई गांवों में छूटे हुए लोगों को टीका दिया गया। टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुनील दोहरे ने बताया कि शत प्रतिशत टीकाकरण के लिए यह अभियान शुरू किया गया है। जिले में प्रतिदिन सीएचसी व जिला अस्पताल में लोगों को वैक्सीन की पहली, दूसरी और बूस्टर डोज लगाई लगाई जा रही है। अभियान के तहत घर-घर जाकर छूटे हुए लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुकुल राय के विधायक पद खारिज कराने को भाजपा ने हाई कोर्ट में दायर की याचिका

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट के बाद अब भाजपा मुकुल राय के विधायक पद को दलबदल विरोधी कानून के तहत खारिज कराने की मांग करते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष बिमान

बनर्जी ने इसे स्वीकार नहीं किया था। इसके बजाय, उन्होंने कहा कि मुकुल के विधायक पद को बर्खास्त नहीं किया जाएगा क्योंकि वह अभी भी भाजपा में हैं। यह मामला सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज की पीठ में दायर किया गया। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने भी मामले को स्वीकार कर लिया। इस हफ्ते याचिका पर सुनवाई हो सकती है। विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में मामला दायर किया था, जिसमें कहा गया था कि मुकुल अभी भी भाजपा में हैं। लेकिन पिछले शुक्रवार को शीर्ष अदालत ने इस मामले को खारिज कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने कहा अगर उन्हें बंगाल विधानसभा अध्यक्ष के फैसले को चुनौती देने वाला मामला दर्ज करना है, तो वे कलकत्ता हाई कोर्ट में मामला दायर कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद, भाजपा ने सोमवार को हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट को मामले की सुनवाई एक महीने के भीतर पूरी करनी है। गौरतलब है कि मामला विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष लंबित था, वहीं मुकुल के वकीलों ने कहा कि कृष्णानगर उत्तर से विधायक अभी भी भाजपा के साथ हैं। बाद में, निणन्य की घोषणा करते हुए, अध्यक्ष ने यह भी कहा कि दलबदल विरोधी कानून के तहत मुकुल राय की विधायक पद की बर्खास्तगी का समर्थन करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे। इसलिए आवेदन खारिज किया जा रहा है। उसके बाद विधायक फिलहाल भाजपा में है। मुकुल को लोक लेखा समिति का अध्यक्ष बनाने के फैसले को तो चुनौती भी दी गई थी।

जम्मू : स्ट्रीट लाइटों के लिए एक साल से हाथ फैला रहे कॉरपोरेटर, अब तो खराब भी ठीक नहीं की जा रहीं

जम्मू। जम्मू नगर निगम ने हमें भिखारी सा बनाकर रख दिया है। शहर की गलियों में स्ट्रीट लाइटें लगाने के लिए कंपनी के आगे हाथ फैलाने पड़ रहे हैं। पिछले एक साल से कोई नई स्ट्रीट लाइट जारी नहीं की गई। न ही खराब हुई स्ट्रीट लाइटों को ही ठीक किया जा रहा है। शहर की हर वार्ड में 10 से 30 प्रतिशत स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं। कई इलाकों में तो आज तक स्ट्रीट लाइटें लगी ही नहीं। यह कहना है कि शहर के अधिकतर कॉरपोरेटरों का जो पिछले एक साल से अपने वार्डों में खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक करवाने और नई लाइटें लगवाने के लिए निगम अधिकारियों व कंपनी अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं। उनका कहना है कि ऐसी कंपनी को बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए जो जनता के प्रतिनिधियों की नहीं सुन रही। आम लोगों की बात ही अलग है। शहर में लगी है 61300 स्ट्रीट लाइटें : शहर में स्ट्रीट लाइटें लगाने का ठेका एनर्जी एफिशेंसी सर्विस लिमिटेड (ईईएसएल) कंपनी के पास है। कंपनी ने शहर के सभी 75 वार्डों में 61,300 स्ट्रीट लाइट लगाई हैं। कुल 70 हजार स्ट्रीट लाइटें लगाने का ठेका हुआ था। शेष लाइटें अभी तक नहीं लगी है। नवंबर 2019 में कंपनी ने शहर के वार्ड नंबर 75 से स्ट्रीट लाइटें लगाने का काम शुरू किया था। ऐसी कंपनी को बाहर का रास्ता दिखाएं : 'हमारे वार्ड में करीब 40 प्रतिशत स्ट्रीट लाइटें खराब हो चुकी है। एक साल से अधिकारियों, कंपनी के प्रतिनिधियों के आश्वासन मिल रहे हैं। नई स्ट्रीट लाइटें भी नहीं मिली। पुरानी खराब हो चुकी है। कोई ठीक नहीं कर रहा। जनरल हाउस में भी मुद्दा उठा चुका है। कंपनी परवाह ही नहीं कर रही।' -सुच्चा सिंह, कॉरपोरेटर, वार्ड 31 'करीब 650 स्ट्रीट लाइट लगना शेष है। दो साल गुजर गए, नहीं लगीं। जो लगी है, उनमें से 50 प्रतिशत बंद हो चुकी हैं। जिस विशेष लाइन से स्ट्रीट लाइटें लगनी थीं, वो लाइन भी अधिकतर क्षेत्र में नहीं लगी। ऐसी कंपनी को बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए जो जनता के साथ धोखा कर रही है।' -गार सिंह चिब, कॉरपोरेटर, वार्ड 75 'मेयर और निगम आयुक्त की नालायकी की वजह से पूरा जम्मू स्ट्रीट लाइटों की समस्या से जूझ रहा है। हमारे वार्ड का 80 प्रतिशत क्षेत्र अंधेरे में है। स्ट्रीट लाइटें लगी ही नहीं। जो लगी थी, उनमें से भी 60 प्रतिशत खराब हो गई है। फरवरी 2021 में लिखित में दिया। आज तक काम नहीं हुआ। अगले महीने होगा, कहा जाता है।' -प्रीतम सिंह, कॉरपोरेटर, वार्ड 55

हेमा मालिनी, कंगना रनोट, मौनी रॉय समेत इन एक्ट्रेस ने दी महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। मंगलवार को देश भर में महाशिव रात्रि काफी धूम धाम से मनाई जा रही है। इस खास मौके पर एक्ट्रेसेस अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट व भगवान शिव की तस्वीरें शेयर कर अपने चाहने वालों और फैंस को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दे रही हैं। बॉलीवुड की ड्रीलगर्ल और मथुरा से बीजेपी की सांसद हेमा मालिनी ने अपने चहाने वालों को ट्विटर हैंडल पर पोस्ट शेयर कर महाशिव रात्रि की शुभकामनाएं दीं हैं उन्होंने भगवान शिव की तस्वीर शेयर कर उन्होंने लिखा, आप सभी को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं, ये वार्षिक उत्सव भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने वाले सभी भक्तों द्वारा बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जा रहा है, जिनमें से कुछ निर्जल उपवास भी करते हैं। जोकि अगले दिन केवल शुभ समय पर तोड़ा जाता है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक ईशा फाउंडेशन की तस्वीर शेयर कर अपने चाहने वालों को महाशिव रात्रि की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने इस पोस्ट को शेयर कर लिखा, शिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। वहीं, बिग बॉस रुबीना दिलैक ने भी अपने चाहने वालों को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर महाशिव रात्रि की शुभकामनाएं दी हैं। इस वीडियो में शिव स्त्रोम् के श्लोक सुनाई दे रहे हैं। फैंस को महाशिव रात्रि की शुभकामनाएं देते हुए रूबीना ने लिखा हर हर महादेव। वहीं, एक्ट्रेस मौनी रॉय ने भी अपने इंस्टाग्राम पर फैंस को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की है, जिसमें वो भगवान शिव की आराधना करती हुई नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर कर एक श्लोक भी लिखा है। साथ ही उन्होंने फैंस को महाशिव रात्रि की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, आप सभी को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। बॉलीवुड एक्ट्रेस के अलावा साउथ के अभिनेता साई धर्म तेज ने भी अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट शेयर कर महाशिव रात्रि की शुभकामनाएं दी हैं।

आलिया भट्ट की 'गंगूबाई काठियावाड़ी' पर रणबीर कपूर का अभी तक नहीं आया कोई रिएक्शन, अब एक्ट्रेस ने बताई वजह

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी यह फिल्म हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। गंगूबाई काठियावाड़ी बॉक्स ऑफिस पर कमाई भी कर रही है। हर कोई आलिया भट्ट की एक्टिंग की तारीफ कर रहा है, लेकिन अभी तक उनके रुमर्ड ब्वॉयफ्रेंड अभिनेता रणबीर कपूर का कोई रिएक्शन नहीं आया है ऐसे में अब खुद आलिया भट्ट ने बताया है कि रणबीर कपूर ने उनकी फिल्म को लेकर अभी तक रिस्पॉन्स क्यों नहीं दिया है। अंग्रेजी वेबसाइट स्पॉटब्वॉय की खबर के अनुसार आलिया भट्ट ने हाल ही में पैपराजी से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर भी ढेर सारी बाते कीं। अभिनेत्री ने कहा है कि रणबीर कपूर सोशल मीडिया पर एक्टिव नहीं है, इसलिए किसी को भी उनके रिएक्शन का पता नहीं चल पाया है। आलिया भट्ट ने कहा, 'सबको रणबीर का रिस्पॉन्स चाहिए। दुर्भाग्य से वह सोशल मीडिया पर नहीं हैं। इसलिए वह अपने रिएक्शन नहीं दे पाए हैं।' उन्होंने आश्वासन दिया है कि वह रणबीर कपूर से कहेंगी कि वह मीडिया से बात कर फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर अपना रिस्पॉन्स दें। ताकि उसका जवाब आपको मिल सके। आलिया ने कहा कि वह रणबीर का रिएक्शन खुद नहीं सकती हैं। गौरतलब है कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। साथ ही यह दोनों जल्द शादी भी करने वाले हैं। हालांकि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने अभी तक मीडिया के सामने इसके बारे में कुछ भी नहीं बताया है, लेकिन दोनों को हमेशा साथ देखा जाता है। बात करें आलिया भट्ट की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की तो संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी यह फिल्म 25 फरवरी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और फिल्म को ऑडियंस का खूब प्यार मिल रहा है। का लुक से लेकर अभिनय रहा है। आलिया भट्ट के अलावा, फिल्म में अजय देवगन, विजय राज, शांतनु माहेश्वरी और सीमा पाहवा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म हुसैन जैदी की नॉवेल माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई पर आधारित है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई कर रही हैं। अब कई फिल्मी सितारे भी आलिया भट्ट की इस फिल्म की तारीफ कर चुके हैं।

'बाहुबली' से 'ब्रम्हास्त्र' तक, भगवान शिव की महिमा पर आधारित फिल्में

नई दिल्ली। आज महाशिवरात्रि है और इस शुभ इस शुभ मौके पर पूरे देशभर में भक्त भगवान शिव और देवी पार्वती की अराधना में जुटे हैं। शिव की महिमा से बॉलीवुड भी अछूता नहीं है। फिल्म जगत में अब तक शिव की महिमा पर आधारित कई फिल्में बन चुकी हैं। जिनमें प्रभास से लेकर अजय देवगन जैसे बड़े-बड़े सुपरस्टार नजर आ चुके है। यहां तक कि यूथ ओरिएंटेड फिल्में करने वाले एक्टर रणबीर कपूर भी जल्द शिव के अवतार में दर्शकों के सामने नजर आएंगे। आज महाशिवरात्रि के मौके पर इंडस्ट्री की कुछ ऐसी ही फिल्मों के बारे में बात करेंगे जो त्रिभंगी शिव की शक्ति पर आधारित है। इस साल आयान मुर्खजी अपनी बड़े बजट की मच अवेटेड फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' लेकर आ रहे है। जो नीलकंठी महादेव को समर्पित है। फिल्म में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में है। जो शिव नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे, जिसके पास विशेष शक्तियां हैं। निर्देशक आयान मुर्खजी ने फिल्म का आधिकारिक लोगो जारी करने के लिए भी महाशिवरात्रि का ही दिन चुना था। आयान ने साल 2019 में प्रयागराज में अर्ध कुंभ मेले के दौरान महाशिवरात्रि के दिन अपनी टीम संग लोगो का अनावरण किया था। इस दौरान रणबीर कपूर के साथ फिल्म की हीरोइन आलिया भट्ट भी मौजूद थीं। सुपरहिट फिल्म 'बाहुबली' में भी त्रीलोचन शिव की महिमा को बखूबी दिखाया गया था। इस फिल्म के लीड ऐक्टर प्रभास ने भी 'शिवा' का किरदार निभाया था। जो भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त होता है। यहां तक कि फिल्म के एक सीन में प्रभास शिव लिंग को अपने कांधे पर उठाए भी दिखते हैं। इस दौरान भगवान शिव को समर्पित गाना 'कौन है वो' बजता है। 'बाहुबली' का यह सीन फिल्म में जान डालने का काम करता है। साल 2016 में आई अजय देवगन की फिल्म 'शिवाय' भी पूरी तरह से भगवान शिव को समर्पित है। अजय देवगन इस फिल्म में पर्वतारोही बने हैं और उनका नाम भी शिवाय है। फिल्म में शिव की अच्छाई के साथ उनकी खामियों को भी दिखाने की कोशिश की गई है।

'देवों के देव महादेव' की पार्वती ने शो पर लगाया बड़ा आरोप, कहा- '3 साल बाद भी नहीं दिए 70 लाख'

नई दिल्ली। 'देवों के देव महादेव' टीवी शो दर्शकों के फेवरेट धार्मिक शोज में से एक रह है। इस शो के हर किरदार की अपनी खास फैन फॉलोइंग रही है। ऐसे में शो में 'पार्वती' का लीड रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस सोनारिका भदोरिया को भी दर्शकों ने खूब प्यार दिया है। इसी बीच अब सोनारिक ने एक शॉकिंग खुलासा किया है। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि एक शो से अभी तक उन्हें पेमेंट नहीं मिली है। उस शो में काम करने का सोनारिका का दौरा बेहद बुरा था। एक्ट्रेस सोनारिक भदोरिया ने हाल ही में टाइम्स ऑफ इंडिया को एक इंटरव्यू दिया। इस दौरान उन्होंने शो पर अभी तक पेमेंट ना करने का आरोप लगाया है। वह कहती हैं, 'कलर्स पर प्रसारित होने सीरियल 'दास्तान-ए-मोहब्बत' में उन्होंने और एक्टर शहीर शेख ने लीड रोल प्ले किया था। इस शो में काम करते 3 साल हो गए लेकिन अभी तक उन्हें उनके पेमेंट नहीं मिली। इस शो के लिए उन्हें करीब 70 लाख रुपए मिलने हैं जो कि अभी तक नहीं मिला। इसके अलावा और भी टेकनेशियन्स और एक्टर्स हैं जिनकी फीस शो की तरफ से नहीं दी गई है।' सोनारिका भदोरिया ने आगे बताया, 'उनकी तरफ से सारे पेपरवर्क पूरे कर दिए गए हैं। इस सीरियल को अभी तक रिलीज नहीं किया। जबकि इसकी सारी शूटिंग कोरोना से पहले ही पूरी कर दी गई थी।' सोनारिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह एक वेब सीरीज पर काम कर रही हैं। इसके अलावा उन्होंने साल 2015 में तेलुगु फिल्म में पार्वती नाम की महिला का रोल प्ले किया। इसके अलावा वे तमिल फिल्म का भी हिस्सा रही हैं।

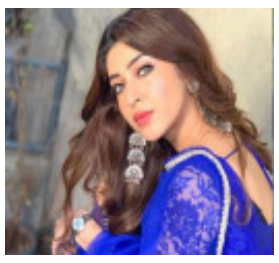

कंगना रनोट के 'लॉक अप' में भूख हड़ताल पर बैठीं निशा रावल एक्ट्रेस के शो में कर रही हैं ये मांग

नई दिल्ली। अभिनेत्री कंगना रनोट का रियलिटी शो लॉक अप शुरू हो चुका है। उनके इस शो में अभी 13 कंटेस्टेंट्स हैं। इनमें से कुछ कंटेस्टेंट्स का विवादों से भी नाता रहा है। उनमें से एक टीवी की मशहूर अभिनेत्री निशा रावल भी है। वहीं कंगना रनोट के शो में आते ही निशा रावल ने भूख हड़ताल शुरू कर दी है। इतना ही नहीं उनका कई अन्य कंटेस्टेंट्स ने भी सपोर्ट किया है। 27 फरवरी को लॉक अप का ग्रैंड प्रीमियर हुआ था। इस दौरान शो के 13 कंटेस्टेंट्स को दर्शकों से परिचित करवाया गया था। वहीं अपनी जेल (शो का घर) में भेजने से पहले इस सभी कंटेस्टेंट्स को कंगना ने सिर्फ तीन अपनी मनपसंद की चीजें ले जाने की अनुमति दी। अब जेल में जाने के बाद निशा रावल ने जरूरी सामना और चीजों को मांगने के लिए भूख हड़ताल शुरु कर दी है। उन्होंने कहा कि सभी कंटेस्टेंट्स को बुनियादी चीजें वापस की जाएं। निशा रावल ने भूख हड़ताल जारी रखी और इन सबके बीच अन्य कंटेस्टेंट्स उनसे हड़ताल बंद करने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन वह अडिग हैं और अपने फैंसले के बारे में सभी को समझाने की कोशिश की है। निशा रावल के अनुसार सभी के सामान बहाल होने तक वह हार मानने वाली नहीं हैं। गौरतलब है कि निशा वाल के लॉक अप में जाने की जानकारी का खुलासा पिछले हफ्ते हुआ था। पिछले साल निशा रावल ने अपने पति करण मेहरा के खिलाफ घरेलू हिंसा का आरोप लगाए थे। जिसके बाद वह काफी चर्चा में रही थीं। इस बारे में उन्होंने लॉक अप के ग्रैंड प्रीमियर के बारे में भी बताया था। साथ ही कहा था कि वह कंगना रनोट के शो में अपनी निजी जिंदगी के बारे में कई खुलासे करने वाली हैं। बात करें कंगना रनोट के शो की तो कंगना रनोट के शो 'लॉक अप' में 16 विवादित हस्तियों को 10 हफ्तों तक लॉक अप में रखा जाएगा और उनकी सुविधाएं छीन ली जाएंगी। उनकी हाई डिमांड्स को पूरा करना तो दूर प्रतियोगियों को शो की जेल में ऐसे लोगों के साथ बंद कर दिया जाएगा, जिन्हें वे देखना भी पसंद नहीं करते है। एविक्शन से बचने के लिए सेलिब्रिटी प्रतियोगियों के पास अपने डार्क सीक्रेट्स को पूरी दुनिया के सामने पेश करने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं होगा। ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर अपने-अपने प्लेटफॉर्म पर इस शो को 247 लाइवस्ट्रीम कर रहा और दर्शकों को सीधे प्रतियोगियों से रूबरू कराएंगे। दर्शकों को अपने चुने हुए प्रतियोगियों को दंडित करने या पुरस्कार देने और उनमें से कुछ के लिए 'खबरी' की भूमिका निभाने का भी मौका मिलेगा।

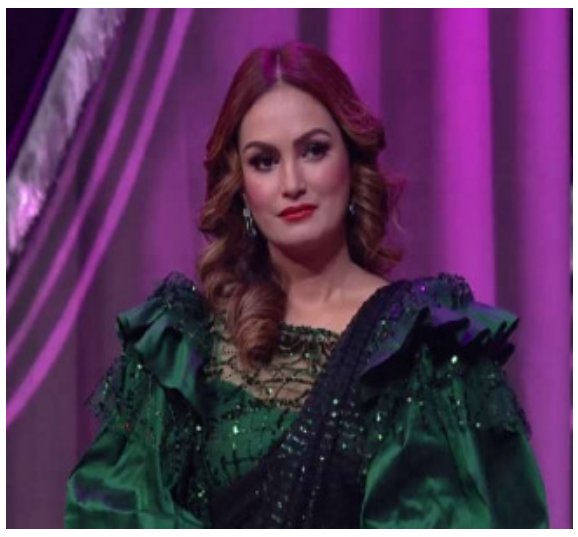

सुहाना खान को विदेशी ड्रेसेज में देखने के आदी रहे फैंस देसी अवतार पर हुए फिदा, मां गौरी खान ने बेटी के लिए लिखी यह बात

नई दिल्ली। शाह रुख खान और गौरी खान की बेटी सुहाना खान अभी फिल्मी पर्दे तक नहीं पहुंची हैं, मगर अपने स्टाइल से अक्सर खबरों का हिस्सा बनती हैं। सुहाना सोशल मीडिया में भी मौजूद हैं। खुद तो वो अपनी तस्वीरें शेयर करती ही हैं। कभी-कभी मॉम गौरी खान भी बेटी की अनदेखी तस्वीरें पोस्ट करती हैं। गौरी ने अब सुहाना की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें सुहाना हल्के क्रीम कलर की एम्ब्रॉडरी वाली साड़ी पहने हुए दिख रही हैं। आम तौर पर सुहाना को ग्लैमरस विदेशी लिबासों में देखने के आदी फैंस भी उनकी सादगी पर मर मिटे हैं। तस्वीर में सुहाना का साइड प्रोफाइल दिख रहा है और वो कैमरे की ओर देख रही हैं। कानों में बड़े झुमके और माथे पर छोटी-सी बिंदी सुहाना की खूबसूरती में चार चांद लगा रही हैं। सुहाना की इस फोटो के साथ गौरी ने लिखा है- प्योर यानी पवित्र। साथ में लव की इमोजी बनायी है। इस फोटो पर श्वेता बच्चन, सीमा खान, महीप कपूर, मनीष मल्होत्रा, नीलम कोठारी, भावना पांडेय ने भी प्रतिक्रिया दी है। वहीं, सुहाना ने दिलों की इमोजी बनाकर जवाब दिया है। वहीं, कई फैंस ने भी कमेंट करते प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने लिखा कि साड़ी में सुहाना जनन्त की तरह है। कई यूजर्स ने उन्हें प्रिंसेस और गॉर्जस कहा है। कुछ ने तो सुहाना को अभी से सुपरस्टार कहना शुरू कर दिया है। गौरी खान ने जो तस्वीर शेयर की, उसमें ऐसा लग रहा है कि सुहाना ने साड़ी पहनी है, मगर असल में वो लहंगा-चोली है, जिसका पता सेलेब्रिटी डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की तस्वीरों से चलता है। मनीष ने सुहाना की कई तस्वीरें शेयर की है, जिनमें वो लहंगा और बैकलेस चोली में काफी खूबसूरत दिख रही है और सुहाना का देसी गर्ल वाला अवतार खूब पसंद किया जा रहा है। कुछ दिन पहले सुहाना ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से भी साड़ी में एक तस्वीर शेयर की है। सुहाना के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर तो अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आयी है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जोया अख्तर की सीरीज आर्चीज से सुहाना अभिनय की दुनिया में कदम रख सकती है। इस फिल्म के निर्माण का एलान नेटफ्लिक्स ने पिछले साल किया था। दुनियाभर में लोकप्रिय इस कॉमिक स्ट्रिप के चाहने वालों की तादाद बहुत बड़ी है। श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर और अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा के भी स्टार कास्ट में शामिल होने की खबरें आयी थीं। वहीं, सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के भी इससे डेब्यू करने की खबर थी।

सिर्फ इस शर्त पर 'नो एंट्री' का सीक्वल बना रहे हैं बोनी कपूर, सलमान खान हैं खास वजह

नई दिल्ली, जेएनएन। नो एंट्री बॉलीवुड की चर्चित और हिट फिल्मों में से एक है। यह फिल्म साल 2005 में आई था। फिल्म नो एंट्री में सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में इन तीनों के अभिनय को दर्शकों का काफी प्यार भी मिला था। वहीं पिछले साल दिसंबर में सलमान खान ने अपने 56वें जन्मदिन पर नो एंट्री के सीक्वल की घोषणा की फिल्म के सीक्वल का नाम नो एंट्री में एंट्री है। इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी कर रहे हैं। वहीं फिल्म के निर्माता बोनी कपूर हैं। अब बोनी कपूर ने खुलासा किया है कि उन्होंने कौन सी शर्त पर फिल्म नो एंट्री के सीक्वल को बनाने के फैसला किया। बोनी कपूर ने हाल ही में अंग्रेजी वेबसाइट इंडिया टुडे से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने फिल्मी सफर के अलावा फिल्म नो एंट्री में एंट्री को लेकर भी ढेर सारी बातें कीं। बोनी कपूर ने बताया कि उन्होंने नो एंट्री का सीक्वल बनाने का फैसला सिर्फ इस शर्त पर किया है क्योंकि सलमान खान इसमें काम करने के लिए राजी हुए हैं। बोनी कपूर ने कहा, 'मेरे पास स्क्रिप्ट है और यह सब सिर्फ सलमान पर निर्भर था कि वह इसके करना चाहते हैं या नहीं। अपने जन्मदिन पर उन्होंने कहा कि वह यह फिल्म करेंगे तो मैंने स्क्रिप्ट तैयार कर ली और मैं तैयार हूं जब वह इसको शुरू करेंगे। बोनी कपूर ने आगे कहा, 'अनीस फिल्म के डायरेक्टर हैं और वह स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। फिल्म का आइडिया किसी और का था।' बोनी कपूर का दावा है कि फिल्म नो एंट्री में एंट्री पहली फिल्म से भी ज्यादा बेहतर रहने वाली है। उन्होंने आगे कहा, 'मेरे पास जो नो एंट्री में एंट्री स्क्रिप्ट है, वह नो एंट्री से बेहतर है। यह नो एंट्री से 10 गुना ज्यादा मजेदार है, लेकिन पूरी तरह से बनने वाली फिल्म सलमान पर निर्भर करती है, यह उनके साथ ही बन सकती है।

कंगना रनोट ने लगाया स्वामी चक्रपाणी पर गोमूत्र की पार्टी करने का आरोप बाबा पर दर्शक बोले आप कॉन्ट्रोवर्सी क्रिएटर

नई दिल्ली। कंगना रनोट के नए रियलिटी शो लॉक अप में स्वामी चक्रपाणी ने भी कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया है। इस शो में हिस्सा बनने को लेकर उनका नाम काफी समय से चर्चा में था। स्वामी चक्रपाणी बहुत बार विवादों में रहे हैं। उन पर अक्सर कई तरह के आरोप भी लगते हैं। अब कंगना रनोट ने लॉक अप के एपिसोड में स्वामी चक्रपाणी पर गोमूत्र की पार्टी करने का आरोप लगाया है। दरअसल रविवार 27 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म आल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर लॉक अप का ग्रैंड प्रीमियर रखा गया। इस मौके पर शो के सभी कंटेस्टेंट्स को दर्शकों से रूबरू करवाया गया। ग्रैंड प्रीमियर से जुड़ा एक वीडियो प्रोमो एमएक्स प्लेयर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में कंगना रनोट स्वामी चक्रपाणी पर गोमूत्र की पार्टी करने का आरोप लगाती दिखाई दे रही हैं। वीडियो प्रोमो में कंगना रनोट स्वामी चक्रपाणी से बात करते हुए कहती हैं, 'चक्रपाणी पर आरोप है कि आपने टकिला शॉट्स की तरह गोमूत्र पार्टी की थी।' अभिनेत्री के इस सवाल के जवाब में स्वामी चक्रपाणी कहते हैं, 'हमने कोई शराब पार्टी नहीं कि हमने कोई अय्याशी वाली पार्टी नहीं की। हमने तो सिर्फ गोमूत्र की पार्टी की। कोरोना लोगों के पाप के कारण आया और जब यह आया तो लोगों के पास इससे निपटने का कोई उपाय नहीं था। हमने लोगों को इससे बचने का उपाय दिया। उनकी इस बात को सुनने के बाद कंगना रनोट के शो में एक 'स्वामी चक्रपाणि सिर्फ एक कॉन्ट्रोवर्सी क्रिएटर है और हमें उन पर विश्वास नहीं है।' सोशल मीडिया पर लॉक अप से जुड़े स्वामी चक्रपाणि और कंगना रनोट का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेत्री के फैंस उने वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

सलमान खान की 'मैंने प्यार किया' की हीरोइन भाग्यश्री ने फिर रचाई 'शादी', बयां किया अपना दर्द

नई दिल्ली। भाग्यश्री ने अपनी पहली ही फिल्म 'मैंने प्यार किया' से लोगों का खूब दिल जीता। इस फिल्म में उनके साथ सलमान खान नजर आए थे। हालांकि अपनी पहली ही फिल्म के बाद भाग्यश्री ने शादी करने का निणय्य लिया और उन्होंने 1990 में बिजनेसमैन हिमालय दासानी से शादी के बंधन में बंध गई। शादी के 30 साल के बाद दोनों एक खुशहाल परिवार हैं। एक लंबे समय के बाद भाग्यश्री जल्द ही एक बार फिर छोटे परदे पर लौट रही हैं। वह जल्द ही स्टार प्लस के शो 'स्मार्ट जोड़ी' में नजर आने वाली है। हाल ही में भाग्यश्री ने मंच पर अपना दर्द बयां किया। स्टार प्लस ने हाल ही में अपने इस शो का एक प्रोमो जारी किया है। इस प्रोमो में भाग्यश्री एक बार फिर से दुल्हन बनी नजर आ रही है। दुल्हन बनी भाग्यश्री लाल रंग की साड़ी में काफी खूबसूरत लग रही हैं और उनके पति हिमालय भी सफेद कुर्ता पहने हुए हैं और ये दोनों एक-दूसरे के गले में वरमाला पहनाते हुए नजर आ रहे हैं। 'स्मार्ट जोड़ियों' के सभी खिलाड़ियों के बीच दोनों ने बहुत ही धूमधाम से शादी की, लेकिन इसी के साथ भाग्यश्री ने 30 साल पहले अपनी शादी के समय को याद किया, जिससे उनकी आंखें नम हो गईं। भाग्यश्री मंच पर अपनी लव स्टोरी के बारे में तो बताती नजर आई हीं, लेकिन इसी के साथ अपनी शादी में आई चुनौती के समय को भी भाग्यश्री ने याद किया। भाग्यश्री ने मंच पर अपना दर्द बयां करते हुए कि, 'मेरे लिए शादी में कोई नहीं था, सिवा इनके(हिमालय) । जब मैंने अपने माता-पिता को बताया कि मैं इनसे शादी करना चाहती हूं तो वह नहीं माने। मां-बाप के बच्चों के लिए सपने होते हैं, लेकिन कभी-कभी बच्चों के अपने सपने भी होते हैं और उन्हें अपने सपने जीने देना चाहिए, क्योंकि अंत में जिंदगी उन्हें जीनी है। जो लोग या मीडिया ये कहते है कि मैंने भाग के शादी की वह सुनकर मुझे बहुत ही गुस्सा आता है, क्योंकि मैंने भागकर शादी नहीं की'। आपको बता दें कि भाग्यश्री की अपने पति हिमालय से पहली मुलाकात स्कूल में हुई थी और यह दोनों पहली ही मुलाकात में एक-दूसरे को दिल दे बैठे थे, लेकिन भाग्यश्री के घरवाले उनके इस रिश्ते से खुश नहीं थे। अपने परिवार का विरोध करके भाग्यश्री ने हिमालय से शादी का फैसला किया था और इनकी शादी में सिर्फ करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। भाग्यश्री के करियर की बात करें तो मैंने प्यार किया से रातों-रात स्टार बनी अभिनेत्री ने हिंदी के अलावा तेलुगु, कनन्ड़, बंगाली और मराठी सहित कई भाषाओं की फिल्मों में काम किया। बॉलीवुड के साथ-साथ भाग्यश्री टेलीविजन इंडस्ट्री का भी हिस्सा रहीं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।